हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, रविवार, 21 दिसंबर 2025

10 ब्रिगेडियर रणसिंह स्कूल में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव मनाया

11 एमआईई में जूता फैक्ट्री में भड़की आग से माल राख

SANSKARAM GROUP OF SCHOOLS

Presents

10th ALL INDIA OLYMPIAD

THE TIMES OF INDIA
Awarded with
Times School Survey
award 2025-26

Sanskaram Olympiad
Applicable for 3rd to 10th

Visionary Vertex
Applicable for Nur. to 2nd

Time
10 AM to 12 PM

Registration Fee
100/-

VENUE : Sanskaram Public School, Khatiwas
Sanskaram International School, Patauda

Class	1st Prize	2nd Prize	3rd Prize	4th to 30th Prize	30th to 40th Prize
10th Class	Scooty	Laptop	Kindle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
9th Class	Laptop	Kindle	Kindle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
8th Class	Laptop	Kindle	Cycle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
7th Class	Laptop	Kindle	Cycle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
6th Class	Laptop	Kindle	Cycle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
5th Class	Kindle	Cycle	Cycle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
4th Class	Kindle	Cycle	Cycle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts
3rd Class	Kindle	Cycle	Cycle	Sports Kit	Edu. Kits/ Gifts

EXAM DATE
28th DECEMBER 2025

FREE TRANSPORT

Class	Subject (Equal Weightage to All subjects)	Marks	Duration
3rd to 5th Class	English\Maths\GK\EVS	60	60 Min.
6th & 8th Class	English\Maths\Science\ Aptitude Test	60	60 Min.
9th & 10th Class	Science (Physics,Chemistry, Bio)\Math	80	60 Min.

Visionary Vertex

Whirling With Young Talent And Creativity

COMPETITION DETAILS

NURSERY	Poem Recitation (in Hindi or Eng.) with proper gestures.
L.K.G	Story Telling (in Hindi or Eng.) with proper gestures.
U.K.G	Art & Craft Test and Hindi English Word Making
1st & 2nd	Written Test in English, E.V.S., Maths, G.K., and Reasoning.

SCAN FOR REGISTRATION

For Online Registration Visit www.sanskarampublicschool.com | www.sanskaraminternational.com

NDA Qualifiers

CHIRAG S/o RAMBIR CHIMNI
LEKHDEEP S/o HARDEEP REWARI KHERA
DAIVIK S/o YOGESH JHAJJAR
RAHUL S/o JITENDER BERI
LAKSHAY S/o AJAY SILANA
RAKSHIT S/o VIKASH JHAJJAR
YASH S/o JAGBIR BERI
SAKSHI D/o NAVEEN BARHANA
MUSKAN D/o GOVIND KOELPUR
PARIKSHIT S/o SHIV JHAJJAR

Separate Hostel Facilities for Boys and Girls

AMAN S/o JAI SINGH BIROHAR
JIVESH S/o SONU BHAPRODA
DINESH S/o SANJAY BHAPRODA
SHUBHAM S/o MANOJ MANGAWAS
SAHIL S/o SANDEEP SIWANA
AKSHAY S/o RAMAVTAR JHAJJAR
SAHIL S/o VIJAY BAHADURGARH
JAIKUMAR S/o PAWAN MAROUT
ANUJ S/o VIKASH JHAJJAR
SHUBHAM S/o RANBIR KHERI KHUMMAR

CA-CS Foundation Qualifiers

Priya D/o Sunil Jhajjar
Nisha D/o Surender Matainhail
Harsh S/o Sombeer Achhej
Jiya D/o Iqbal Madana
Yashika D/o Rajiv Jhajjar
Ishika D/o Mahipal Patra
Ankita D/o Akhilesh Jhajjar

CLAT Qualifiers

Alka D/o Jaiveer Majra D.
Mansi D/o Rajeev Matanhail
Ritika D/o Satyapal Jhinjhar

India's Most Trusted School for Integrated Classroom Programme for Selection in IIT-JEE, NEET, NDA, MNS, SSC,CUET,CLAT, CA, CS, ICMAI

JHAJJAR CAMPUS : 8222889860,62
NH.334B, Main Dadri Road, Khatiwas, Jhajjar (Haryana)

PATAUDA CAMPUS : 9053007801,02
NH.352, Patauda, Near Kulana, Jhajjar (Haryana)

ब्रिगेडियर रणसिंह पब्लिक स्कूल दुजाना में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव मनाया

वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से विद्यार्थियों ने बांधा समां

सांस्कृतिक प्रस्तुति में जहां तारक मेहता का उल्टा चश्मा हास्य नाटिका ने दर्शकों को गुदगुदाया वहीं ऑपरेशन सिंदूर की मार्मिक प्रस्तुति ने सभी को भावुक भी किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुति देतीं हुए नन्हीं छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

ब्रिगेडियर रणसिंह पब्लिक स्कूल दुजाना में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन शमशेर सिंह अहलावत द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना व स्वागत गीत से शुरू हुए इस कार्यक्रम में पहले दिन नर्सरी से पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियों बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, वॉक, पंजाबी, हरियाणवीं, गुजराती, राजस्थानी आदि लोकगीतों व नृत्यों के माध्यम से दर्शकों की तालियां बटोरी।

सांस्कृतिक प्रस्तुति में जहां तारक मेहता का उल्टा चश्मा हास्य नाटिका ने दर्शकों को गुदगुदाया वहीं ऑपरेशन सिंदूर की मार्मिक प्रस्तुति ने सभी को भावुक भी किया। दूसरे दिन छठी से दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सीनियर वर्ग की प्रस्तुतियों में रैंपवॉक, पीटी, गरबा, कव्वाली, देशभक्ति से परिपूर्ण नृत्य, मोबाइल के अत्याधिक प्रयोग के दुष्परिणामों पर आधारित नाटिका, चारों युगों का क्रमवार वर्णन, हरियाणवीं संस्कृति में एक नव वधू का आगमन और निभाई जाने वाली रस्मों का वर्णन आदि आकर्षण का केंद्र रहा। इसके अलावा एक मूक अभिनय के माध्यम से सोशल मीडिया के जाल में फंसे बच्चे, युवाओं व बड़े-बुजुर्गों को सचते किया गया। कार्यक्रम के समापन पर चेयरमैन शमशेर सिंह अहलावत ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन भी आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को इस प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

कंपनी में चोरी करने के आरोप में दो गार्ड और कबाड़ी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। भापड़ोदा स्थित एक कंपनी में हुई चोरी की वारदात पुलिस ने सुलझा ली है। कंपनी में काम करने वाले दो सुरक्षा कर्मियों ने ही यह वारदात की थी। दोनों आरोपियों और चोरी का सामान खरीदने वाले कबाड़ी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी न्यायिक हिरासत में भेज दिए गए हैं। मांडोठी चौकी प्रभारी मोहित कुमार के अनुसार, दिल्ली के निवासी योगेश ने शिकायत दी थी कि उसकी एक कंपनी गांव भापड़ोदा में है। गत 11 दिसंबर की रात को कंपनी से कॉपर रोल चोरी हो गए थे। उसने चोरी का शक कंपनी में काम करने वाले दो गार्डों पर जताया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। मामले में कार्रवाई करते हुए दोनों को काबू कर लिया। इनकी पहचान जसवंत निवासी हसनगढ़ व सुनील निवासी यूपी के रूप में हुई। दोनों को दो दिन के रिमांड पर लिया। इस दौरान उन्होंने उगला कि कॉपर रोल कहां बेचा है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने कबाड़ी जाहिद हुसैन निवासी यूपी को भी काबू कर लिया। साथ ही आरोपियों से सामान बेचकर मिले रुपयों में से एक लाख दस हजार की रिकवरी भी की गई।

झज्जर। शूटिंग स्पर्धा के विजेता खिलाड़ी देव को सम्मानित करते हुए शिक्षक।

शूटिंग स्पर्धा के विजेता खिलाड़ी को किया सम्मानित

झज्जर। महर्षि दयानंद स्कूल खुड्डन के छात्र देव पूनिया ने अंडर-16 आयुवर्ग की शूटिंग स्पर्धा में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपना स्थान सुनिश्चत किया है। प्राचार्य रामनिवास गहलावत ने बताया कि भोपाल में आयोजित इस प्रतियोगिता से लौटने पर देव पूनिया का जोरदार स्वागत किया गया। संस्था प्रधान रमेश डिरोलिया, सुरेंद्र कोडान व अकादमिक इंचार्ज डॉक्टर राजबीर सहवाग ने देव को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया तथा अभिभावकों को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन ने देव की सफलता का श्रेय उनके दादा बलबीर सिंह, पिता जसबीर व मां मीनू देवी के अथक सहयोग व उसके द्वारा किए निरंतर अभ्यास व कठोर परिश्रम को दिया।

झज्जर। शैक्षिक भ्रमण के दौरान ठाकराण ढाणी परिसर में एकत्रित शिक्षक एवं विद्यार्थी।

विद्यार्थियों ने किया ठाकराण ढाणी का भ्रमण

झज्जर। इंडो अमेरिकन स्कूल में विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुग्राम स्थित ठाकराण ढाणी की सैर कराई गई। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न संस्कृतियों की झलक देखने को मिली। ग्रामीण परिवेश से जुड़े पारंपरिक रीति-रिवाज, खानपान और जीवनशैली ने विद्यार्थियों को विशेष रूप से आकर्षित किया। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत डांस प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा व आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। निदेशक बिजेंद्र कादियान ने कहा कि स्कूली दिनों की यादें बच्चों के मस्तिष्क पर गहरी छाप छोड़ जाती हैं। पढ़ाई के साथ-साथ इस प्रकार के मनोरंजक भ्रमण उनमें भाईचारे, सहयोग व अनुशासन की भावना को विकसित करते हैं। इसके अलावा इस प्रकार के भ्रमण विद्यार्थियों के मानसिक और सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बहादुरगढ़। सिक्किम के सीएम प्रेम सिंह तमांग व फणींद्र नाथ शर्मा के साथ डॉ. पंकज जैन।

सिक्किम के सीएम से मिले डॉ. पंकज जैन

बहादुरगढ़। वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. पंकज जैन ने बीती रात गुरुग्राम में सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग तथा भाजपा के संगठन मंत्री फणींद्र नाथ शर्मा से मुलाकात की। इस दौरान विभिन्न समसामयिक राजनीतिक व संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। मुलाकात के उपरांत डॉ. पंकज जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र तथा हरियाणा सरकार सत्ता को सेवा मानकर कार्य कर रही है। सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। इसी कारण देश के विभिन्न राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में जनता भारी बहुमत के साथ भाजपा को समर्थन दे रही है। जैन ने कहा कि हरियाणा में संगठन मंत्री फणींद्र नाथ शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में पार्टी संगठन मजबूत हुआ है। सरकार भी वर्गों- किसान, मजदूर, युवा, महिला, व्यापारी एवं कर्मचारी आदि के हितों को ध्यान में रखकर योजनाएं लागू कर रही है। जबकि कांग्रेस अपनी विफलताओं और नाकामियों को छिपाने के लिए आए दिन झूठे आरोप और भ्रामक बयानबाजी कर रही है।

विपक्ष और सत्ता पक्ष मिलकर बना रहे सदन की कार्यवाही का मजाक : दुष्यंत चौटाला

जुलाना रैली के बाद धन्यवादी दौरे पर कार्यकर्ताओं का बढ़ाया हौसला

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। कार्यकर्ताओं के साथ उपस्थित पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला।

जुलाना रैली के बाद धन्यवादी दौरे पर निकले पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने शनिवार को पार्टी कार्यालय पहुंचकर कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्द्धन किया। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष और सत्ता पक्ष मिलकर सदन की कार्यवाही का मजाक बना रहे हैं। ऐसे में जनहित से जुड़े मुद्दे गायब हो रहे, किसी को भी जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों की कोई चिंता है। उन्होंने कहा कि बदहाल कानून व्यवस्था पर सरकार को काम करना चाहिए। सरकार की नाकामियों की वजह से प्रदेश का प्रत्येक व्यक्ति दुःखी है। उन्होंने कहा कि आज जेजेपी नई ऊर्जा के साथ मजबूती से आगे बढ़ रही है और निरंतर पार्टी से नए व पुराने लोग भी जुड़ रहे हैं। इस दौरान जेजेपी प्रदेशाध्यक्ष बृज शर्मा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठन मजबूती के बारे में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

चौधरी ओमप्रकाश चौटाला को किया याद

दुष्यंत चौटाला ने पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए कहा कि वे उनके विचारों को आगे बढ़ाने का कार्य करते रहेंगे। इस दौरान उन्होंने जेजेपी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर स्वर्गीय चौधरी ओमप्रकाश चौटाला व भगत सूरसेन को श्रद्धांजलि दी।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राकेश जाखड़, जिला प्रभारी कर्नल एसएस राठी, जिलाध्यक्ष संजय दलाल, उपेंद्र कादियान, अजय गुलिया, प्रेस प्रवक्ता डॉक्टर विकास पाराशर, भूपेंद्र गहलावत, काला रोहद, मिंटू ठेकेदार, धर्मेंद्र गुलिया, संदीप अहलावत, राजीव दलाल, राजू दलाल, नसीब भारतीय, मनोज पांचाल, सुनील दुजाना, नसीब सोनू, राजेश महराना, हरबीर, डॉक्टर अमित दलाल, सविन पंघाल, मुकेश भारतीय, शीला गोदारा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। बैठक के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए डीसीपी लोगेश कुमार।

महिला संबंधित अपराधों में लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्त : डीसीपी

झज्जर। शनिवार को डीसीपी लोगेश कुमार ने झज्जर जोन के सभी थाना व चौकी प्रभारियों की बैठक लेते हुए कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने, आमजन से बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि वे अपने अपने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सक्रिय पुलिसिंग को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित व निष्पक्ष समाधान पुलिस की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। थानों व चौकियों में आने वाले प्रत्येक फरियादी के साथ शालीन व्यवहार किया जाए तथा उनकी शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। चोरी, नशा तस्करी, अवैध शराब, सट्टा तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही क्षेत्र में गश्त बढ़ाने, संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने तथा रात्रि पेट्रोलिंग को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देश दिए कि महिला संबंधित अपराधों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पुलिस आयुक्त का किया सम्मान

बहादुरगढ़। समाजसेवी यशपाल हिंदुस्तानी ने पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री सिंह के एडीजीपी पद पर पदोन्नत होने पर उनका सम्मान किया। महिला सुरक्षा, साइबर अपराध नियंत्रण, ट्रैफिक प्रबंधन और नशे के खिलाफ चलाए गए अभियानों में पुलिस प्रशासन ने सराहनीय कार्य किया है। पुलिस व समाज के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में डॉ. राजश्री सिंह की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। जिससे क्षेत्र में शांति एवं विश्वास का वातावरण बना है।

बैंक की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी

झज्जर। सेंट्रल बैंक आफ इंडिया द्वारा 115 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सिलानी गेट शाखा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ब्रांच मैनेजर अवनी भंडारी ने कार्यक्रम में उपस्थित बैंक उपभोक्ताओं को बैंक द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बैंक द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। असिस्टेंट मैनेजर दीपिका व अविनाश ने मौजूदा लोगों को पीपीएफ, सुकन्या योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना व जनधन खाता योजना के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस मौके पर कोषाध्यक्ष गौरव, सीनियर ऑफिस असिस्टेंट गुरु चरण के अलावा बैंक उपभोक्ता रामपाल, सुनील, रणबीर, मास्टर प्रदीप, अजय, राहुल, सचिन, जयदीप, सुनीता, ज्योति सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

कॅरियर मंच में विद्यार्थियों ने किया कौशल का प्रदर्शन

झज्जर। प्रतिभा मंथन कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अहरी में शनिवार को विद्यार्थी कॅरियर मंच का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने एंकर, ब्यूटीशियन, आर्मी, पुलिस, रेलवे क्लर्क, बुटीक ऑनर, शोरूम ऑनर सहित अनेक व्यावसायिक क्षेत्रों से संबंधित स्टॉल लगाकर अपनी शिक्षा एवं कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में साल्हावास खंड शिक्षा अधिकारी जयपाल दहिया ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों के विभिन्न करियर श्रेणी स्टॉलों का अवलोकन करते हुए स्टॉल से संबंधित जानकारी ली तथा विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी करियर को लेकर अभी से निरंतर प्रयास करें, समाचार पत्र पढ़ें, शारीरिक मेहनत करें तथा पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें।

विद्यार्थियों को दिलाई बाल विवाह रोकने की शपथ

झज्जर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी तथा एमडीडी ऑफ इंडिया संस्था द्वारा शनिवार को क्षेत्र के गांव शेरिया व मदाना कलां में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे 100 दिवसीय अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों में महिला एवं बाल विकास विभाग से सुपरवाइजर आशा ने उपस्थित जनसमूह को बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह कानून बच्चों के हितों को ध्यान में रखकर बनाया गया। इसकी सख्ती से पालना करना जरूरी है ताकि बालक-बालिकाओं का सर्वांगीण विकास हो सके। सुपरवाइजर ममता ने कहा लैंगिक भेदभाव भी बाल विवाह के मुख्य कारणों में शामिल है। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शेरिया की प्राचार्या नीता ने कहा कि बाल विवाह बच्चों को उनके सपनों से दूर करता है। इससे घरेलू हिंसा को भी बढ़ावा मिलता है।

पार्षद प्रीति ने की वार्ड में सुविधाएं देने की मांग

बहादुरगढ़। वार्ड नंबर-15 की पार्षद प्रीति भूपेंद्र राठी ने वार्ड में लंबे समय से चली आ रही जलनिकासी की बदहाल व्यवस्था और पार्कों की दुर्दशा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उनके अनुसार नागरिक मूलभूत सुविधाओं के अभाव में भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं, लेकिन संबंधित अधिकारी इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। नगर पार्षद प्रीति भूपेंद्र राठी ने बताया कि वार्ड के अधिकांश क्षेत्र में बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। गंदा पानी सड़कों पर जमा रहता है, जिससे आमजन को आवागमन में परेशानी होती है और बीमारियों का खतरा भी लगातार बना रहता है। नगर परिषद की बैठक में भी नगर पार्षद प्रीति भूपेंद्र राठी ने जनहित के कई मुद्दे नगर प्रशासन के समक्ष रखे। वार्ड के पार्क बदहाली का शिकार हैं। उनके अनुसार जलनिकासी के लिए आधुनिक और स्थाई व्यवस्था की जाए, नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित हो तथा बरसात से पहले विशेष अभियान चलाया जाए। इसके साथ ही वार्ड के सभी पार्कों के सौंदर्यीकरण, मरम्मत, हरियाली बढ़ाने, बच्चों के खेल उपकरण ठीक कराने और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की तुरंत आवश्यकता है।

बहादुरगढ़। कोच के साथ हरियाणा की फुटबॉल टीम। फोटो : हरिभूमि

संतोष ट्रॉफी के लिए आज हरियाणा का यूपी से मुकाबला

बहादुरगढ़। संतोष ट्रॉफी के लिए 79वीं सीनियर नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप ग्रुप-बी के मुकाबले रविवार को उत्तर प्रदेश के आगरा में शुरू हो रहे हैं। रविवार को हरियाणा का पहला मुकाबला उत्तर प्रदेश के साथ होगा। हरियाणा की टीम में झज्जर जिले के चार खिलाड़ी दीपक, साहिल, हितेश व विनीत आदि शामिल हैं। चारों होनहार खिलाड़ी हैं। वहीं खास बात ये कि टीम के हेड कोच भी जिले के गांव लोवा खुर्द के निवासी सुदर्शन सिंह हैं। हरियाणा का पहला मुकाबला रविवार 21 दिसंबर को उत्तर प्रदेश के साथ होगा। दूसरा मुकाबला 23 दिसंबर को उत्तराखंड तथा तीसरा मुकाबला चंडीगढ़ की टीम के साथ 25 दिसंबर को होगा। कोच सुदर्शन ने कहा कि टीम में तमाम खिलाड़ी बेहद प्रतिभाशाली हैं। लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। चैंपियनशिप में जीत के लिए पूरा जोर लगा देंगे।

कर्मजीत का हत्यारोपी जेल भेजा

बहादुरगढ़। कर्मजीत हत्याकांड में गिरफ्तार किए गए हत्यारोपी सुनील की निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किए गए हथोड़े व प्लेट बरामद कर ली। रिमांड अवधि समाप्त होने के बाद शनिवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। गत 24 नवंबर की सुबह जाखोदा निवासी कर्मजीत की यहां लाइनपार में स्थित जोवल हेल्थ क्लब में हत्या की गई थी। हत्या का आरोप जिम संचालक सुनील पर था। करीब तीन सप्ताह के बाद आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा। मामले में सामने आया कि छींटाकशी व आपसी कहासुनी को लेकर वारदात की गई। शनिवार को पुलिस ने आरोपी जेल भेज दिया।

सांखोल में विकास कार्य न कराने के आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव सांखोल में कई तरह की समस्या गहराई हैं। इन समस्याओं को लेकर गांव के निवासी भगवान सिंह राठी ने पंचायत व अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राठी का कहना है कि सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं से गांव की जनता वंचित है।

सरकार की ओर से पंचायत को दी जाने वाली विकास राशि जमीनी स्तर पर नजर नहीं आ रही। सरकार जोहड़ों के विकास पर जोर दे रही है लेकिन हमारे यहां जोहड़ की जमीन को डंपिंग प्वाइंट बना दिया गया है। दो दशक पहले जो पेयजल पाइप लाइन डाली गई थी, वह अब जर्जर हो चुकी है, लेकिन इस दिशा में समाधान नहीं हो रहा। लाइटें नहीं लग रहीं। वर्ष 2023 में डी प्लान के तहत जो गली बनी थी, उसे पुनः दो बार बनाया जा चुका है लेकिन गांव की अन्य जर्जर गलियों को नहीं सुधारा जा रहा।

बहादुरगढ़। तालाब की जमीन पर फैली गंदगी। फोटो : हरिभूमि

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

माउंट व्यू स्कूल में जांचा 493 बच्चों का स्वास्थ्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शनिवार को डॉ. संजय हॉस्पिटल द्वारा माउंट व्यू स्कूल में एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में 493 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य जांचा गया। ताकि बदलते मौसम के कारण बच्चों में बढ़ रही बीमारियों की समय रहते जांच व उपचार हो सके।

शिविर में ब्लड टेस्ट, बीपी, ईसीजी, दांतों के साथ सामान्य जांच भी की गई। निःशुल्क शिविर में डॉ. रोहित व डॉ. आशु ने बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की। उन्होंने बताया कि सर्दी के इस मौसम में खांसी, जुकाम, बुखार, सांस की दिक्कत ज्यादा होती है। बढ़ता प्रदूषण की वजह से भी स्वास्थ्य पर काफी असर पड़ रहा है। ऐसे में हमें अपने स्वास्थ्य को लेकर अतिरिक्त ध्यान देने की जरूरत है। बच्चों के दांतों की जांच करते हुए उनकी उचित देखभाल के लिए परामर्श दिया। ओरल हेल्थ को लेकर भी जागरूक किया। अस्पताल की एडमिन कैप्टन शशि मलिक व सोनू ने कहा कि अभिभावकों को बच्चों के खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। अस्पताल प्रबंधन ने कैंप के आयोजन में दिए सहयोग के लिए स्कूल निदेशक देवेंद्र लाठर, प्रधानाचार्य सुरेंद्र छिल्लर, पीटीआई रविंद्र आदि का आभार व्यक्त किया। परमवीर लाठर व नीलम लाठर ने हॉस्पिटल की इस पहल को सराहा।

बहादुरगढ़। शिविर में विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। आयोजकों के साथ प्रथम स्थान पर आई कनिष्का। फोटो : हरिभूमि

भाषण देने में कनिष्का ने पाया प्रथम स्थान

बहादुरगढ़। त्रिवेणी सीनियर सेकेंडरी स्कूल की टीम ने खंड स्तरीय लीगल लिटरेसी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में 23 विद्यालय के लगभग 300 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। त्रिवेणी विद्यालय की 11वीं आर्ट्स की छात्रा कनिष्का ने भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने अपने भाषण में यौन उत्पीड़न विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वर्तमान में लड़कियों के साथ हो रहे अपराधों के विषय में जागरूक किया। उसकी विश्वासपूर्ण प्रस्तुति व स्पष्ट विचारधारा ने सभी को प्रभावित किया। स्कूल निदेशिका संगीता वर्मा, उप-निदेशिका सुमित्रा महला तथा प्राचार्य अनिल कुमार ने कनिष्का की लगन, परिश्रम तथा शिक्षकों द्वारा किए गए प्रयास व निरंतर मागदर्शन की बेहद प्रशंसा की और उसे आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया।

बहादुरगढ़। विद्यार्थियों को शपथ दिलाते एसआई सत्यप्रकाश। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों को किया नशे के खिलाफ जागरूक

बहादुरगढ़। नशे के प्रति पुलिस की ओर से जागरूकता मुहिम चलाई जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस टीम ने बादली के एक निजी स्कूल में विद्यार्थियों को जागरूक किया। उप निरीक्षक सत्य प्रकाश ने नशे के दुष्प्रभावों और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन को नुकसान पहुंचाता है तथा सबसे पहले उसकी सोचने-समझने की क्षमता को कमजोर करता है। विद्यार्थी नशे से दूर रहकर लक्ष्य तय करें और सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ें। उन्होंने शिक्षा को सही-गलत की पहचान और आत्मनिर्भरता का आधार बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षित युवा न केवल अपने परिवार बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी उपयोगी साबित होते हैं।

झज्जर। शिक्षकों के साथ उपस्थित प्रश्नोत्तरी के विजेता विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

प्रश्नोत्तरी में आर्यभट्ट सदन की टीम रही प्रथम

झज्जर। पैरामाउंट स्कूल छुछकवास में शनिवार को अंतर सदनीय सामाजिक विज्ञान और गणित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी में छठी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रश्नोत्तरी का शुभारम्भ संस्था के चेयरमैन मंजीत फौगाट ने किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी होती हैं। इनमें भाग लेने से उनका मनोबल भी बढ़ता है। प्रतियोगिता परिणामों में आर्यभट्ट सदन की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि रमन सदन की टीम को द्वितीय, एसबोस सदन की टीम को तृतीय व कलाम सदन की टीम को चतुर्थ स्थान मिला। सभी विजेताओं को चेयरमैन द्वारा पुरस्कृत किया गया।

झज्जर। शिक्षक के साथ उपस्थित ओलंपियाड के उत्तीर्ण विद्यार्थी।

पेस संस्थान के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

झज्जर। इंटरनेशनल कॉमर्स ओलंपियाड में पेस संस्थान के दस विद्यार्थियों ने टॉप-20 रैंक हासिल कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। पेस समूह के डायरेक्टर जय विकास ने बताया कि होनहार विद्यार्थियों में 12वीं कक्षा से जानवी, मोनिश, प्राची, सुनिधि, गरिमा, अमन गोयल, तृप्ती गुप्ता, यशिका और योगी पुनिया ने 60 में से 58 अंक प्राप्त कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चौथी रैंक हासिल की जबकि पार्थ ने छठी रैंक प्राप्त की। इसके अलावा 11वीं कक्षा से कुनाल ने 58वीं, लोकेश ने 69वीं और निखिल ने 77वीं अंतरराष्ट्रीय रैंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस मौके पर चेयरमैन युद्धवीर, मैनेजिंग डायरेक्टर हरीश, अश्वनी, सुमित चावला ने उत्तीर्ण विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कॉमर्स एक्सपर्ट विशाल बंसल के प्रयासों की सराहना भी की।

खबर संक्षेप

चार वर्षीय बालक को सकुशल बरामद किया

बहादुरगढ़। लाइनपार पुलिस ने गुमशुदगी की सूचना पर त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई करते हुए चार वर्षीय बालक को सुरक्षित बरामद कर लिया। दरअसल, यूपी मूल के रोहित ने अपने बेटे के लापता होने की सूचना पुलिस को दी थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तत्काल तलाश शुरू की। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई और स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई। पुलिस की सतर्कता और सूझबूझ से कुछ ही समय में बालक का पता लगा लिया गया। बरामदगी के बाद बच्चे को सकुशल उसके माता-पिता के हवाले कर दिया गया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से परिजनों ने राहत की सांस ली और टीम का आभार जताया।

साइबर ठगी के मामले में एक आरोपी काबू

झज्जर। टेलीग्राम के जरिए पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में थाना साइबर क्राइम पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना प्रबंधक साइबर क्राइम निरीक्षक सोमबीर ने बताया कि लाइनपार बहादुरगढ़ निवासी एक व्यक्ति की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को पकड़ा गया है। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान सोहेल सैयद निवासी बूंदी राजस्थान के तौर पर की गई है। आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपी को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

भाजपा का विधानसभा स्तरीय कार्यक्रम आज

बहादुरगढ़। भाजपा द्वारा आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथ यात्रा अभियान के अंतर्गत रविवार शाम 4 बजे बहादुरगढ़ की अनाज मंडी में विधानसभा स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होगा। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दिनेश कौशिक ने बताया कि पूर्व मंत्री डॉ. बनवारी लाल मुख्य अतिथि के रूप में इसमें शिरकत करेंगे। कार्यक्रम में काफी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता व आम नागरिक शामिल होंगे। आत्मनिर्भर भारत संकल्प रथ यात्रा का मुख्य उद्देश्य देश को आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक रूप से सशक्त बनाना है।

ट्रक ड्राइवर से लूट का आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। मार्च माह में थाना बादली क्षेत्र में ट्रक ड्राइवर से लूट के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि आंध्रप्रदेश से चंडीगढ़ जा रहे ग्रेनाइट से भरे ट्रक को खराब होने पर बुपनिया के पास केएमपी पर रोका गया था। इसी दौरान रात करीब एक बजे तीन युवक मोटरसाइकिल पर आए और पिस्तौल दिखाकर चालक व मालिक से 50 हजार रुपये तथा तीन मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए थे। मामले में थाना बादली में केस दर्ज कर पुलिस ने आरोपी जितेंद्र निवासी सोनीपत को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर एक दिन के परिमांड पर लिया है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली बालिकाएं होंगी सम्मानित

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में अनुकरणीय उपलब्धियां हासिल करने वाली बालिकाओं के पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इसके लिए बालिकाएं 30 दिसंबर तक जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग में आवेदन कर सकती हैं। इसके बाद आवेदन संबंध विभाग की सिफारिश पर मुख्यालय पर भेजे जाएंगे।

खांसी, जुकाम, बुखार और एलर्जी से ज्यादा पीड़ित हैं बच्चे, नागरिक अस्पताल में रोजाना 100-150 ओपीडी

बच्चों पर ठंड और प्रदूषण का दोहरा प्रकोप, अस्पताल में बढ़ी भीड़

हरिभूमि न्यूज. बहादुरगढ़

ठंड और प्रदूषण बच्चों की सेहत पर बुरा असर डाल रहा है। इलाके में इन दिनों शिशु और बाल रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। खांसी, जुकाम, बुखार और एलर्जी जैसी समस्याओं से पीड़ित बच्चों की अस्पतालों में भीड़ ज्यादा है।

विशेषज्ञों ने परिजनों को बच्चों का विशेष ख्याल रखने की सलाह दी है। नागरिक अस्पताल में हालात ये हैं कि रोजाना 100 से अधिक बच्चे इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। कई बार यह आंकड़ा 150 तक भी पहुंच जाता है। अस्पताल के शिशु एवं बाल रोग विभाग में सुबह से ही मरीजों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। चिकित्सकों के अनुसार, ठंड के मौसम में आमतौर पर बच्चे बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं लेकिन बहादुरगढ़ में प्रदूषण के हालात ठंड के साथ बच्चों को अधिक नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसका सीधा असर उनके श्वसन तंत्र पर पड़ रहा है। जिससे सांस की तकलीफ, एलर्जी, वायरल संक्रमण और बुखार के मामले तेजी से बढ़े हैं। छोटे बच्चे और नवजात इस मौसम में सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

बहादुरगढ़। एक बच्चे की जांच करते डॉ. अहिभूषण।

सुबह-शाम बाहर निकलने से बचें

शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अहिभूषण ने बच्चों की जांच के दौरान अभिभावकों को विशेष सावधानियां बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बच्चों को ठंड और धुंध से बचाकर रखें, बेवजह सुबह-शाम बाहर निकलने से बचें। बच्चों को गर्म कपड़े पहनाएं और अचानक ठंडी हवा के संपर्क में न आने दें। भीड़भाड़ वाले इलाकों में बच्चों को ले जाने से बचें, मास्क का प्रयोग करें। पर्याप्त तरल पदार्थ, गुनगुना पानी और पौष्टिक आहार दें। खांसी, बुखार या सांस लेने में दिक्कत होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। समय पर इलाज और सावधानी बरतकर गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है।

ग्रैप 4 के नियमों की पालना के डीसी ने दिए निर्देश, जनता से भी मांगा सहयोग

सड़क पर छिड़काव करती मशीन।

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि जन स्वास्थ्य की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और ग्रैप-4 के तहत लागू सभी नियमों की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्रैप-4 का उद्देश्य वायु प्रदूषण पर त्वरित व प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है ताकि आमजन को प्रदूषण से होने वाले दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने कहा कि इस चुनौतीपूर्ण स्थिति में प्रशासन, उद्योग, निर्माण एजेंसियों तथा आम नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी बनती है कि वे नियमों का पूर्ण अनुपालन करें। स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से नागरिक, विशेषकर बच्चे, बुजुर्ग एवं अस्वस्थ व्यक्ति अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। सार्वजनिक परिवहन, कार-पूलिंग एवं वैकल्पिक साधनों का अधिकाधिक उपयोग करें।

प्रदूषण पर जागरूक करेगी समिति

दिल्ली से सटे बहादुरगढ़ इलाके में प्रदूषण की समस्या गंभीर बनी हुई है। शनिवार दोपहर को भी यहां 360 एक्यूआई दर्ज किया गया। प्रदूषण का लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है। प्रदूषण की रोकथाम के लिए किए गए प्रयास भी नाकाफी साबित हो रहे हैं। वहीं लोगों में जागरुकता की कमी भी देखने को मिल रही है। प्रदूषण की समस्या को देखते हुए रविवार को संघर्षशील जनकल्याण सेवा समिति सांखोल की ओर से बहादुरगढ़ सिटी मेट्रो स्टेशन के नीचे जागरुकता कार्यक्रम किया जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को प्रदूषण के कारण, नुकसान व समाधान के तरीके समझाए जाएंगे।

लगातार तीसरे दिन फैक्ट्री में आग लगी, घंटों की मशक्कत के बाद पाया काबू

एमआईई पार्ट ए में जूता फैक्ट्री में भड़की आग से भारी नुकसान

- आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं, मशीनों और भवन को भी काफी नुकसान पहुंचा, मालिक कर रहे आंकलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के औद्योगिक क्षेत्रों की इकाइयों में लगातार आग लगने की घटनाएं हो रही हैं। बीते तीन दिन से लगातार फैक्ट्रियों में आग लग रही है। शनिवार की अल सुबह भी एक फैक्ट्री में आग लगने से काफी नुकसान हो गया। बार-बार आग लगने की घटनाओं से जहां मालिकों व श्रमिकों को नुकसान हो रहा है, वहीं दमकल कर्मचारियों की भी भागदौड़ बढ़ी हुई है।

शनिवार की सुबह एमआईई पार्ट ए में स्थित संभावी इंटरप्राइजेज में आग लग गई। इस फैक्ट्री में जूते बनाए जाते हैं। करीब साढ़े चार बजे की यह घटना है। सूचना पाकर जब तक दमकल विभाग की गाड़ियां पहुंचती, तब तक काफी माल जलकर राख हो चुका था। कई दमकल गाड़ियों के सहारे आग पर नियंत्रण पाया जा सका। मशीनों और भवन को भी बेहद नुकसान पहुंचा है। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं है। मालिक को बेहद नुकसान हुआ है। बता दें कि शहर के औद्योगिक क्षेत्र में लगातार तीन दिन से आग लगने की घटना हो रही है।

बहादुरगढ़। एमआईई स्थित फैक्ट्री में शनिवार सुबह लगी आग।

वीरवार व शुक्रवार को यहां लगी थी आग

वीरवार को एमआईई पार्ट ए स्थित सोनिका प्राइवेट लिमिटेड में लिमिटेट में आग लगी थी, जिसमें काफी नुकसान हुआ। शुक्रवार सुबह पार्ट ए में ही स्थित एसएसआरए जूता फैक्ट्री में आग लगी थी। जबकि शुक्रवार की रात को एचएसआईडीसी सेक्टर 17 स्थित दो जूता फैक्ट्रियों में आग से नुकसान हुआ। वहीं शनिवार की सुबह संभावी इंटरप्राइजेज में आग लग गई। आग लगने के कारण मालिकों को नुकसान हो रहा है तथा शहर में प्रदूषण भी बढ़ रहा है।

दुजाना में शॉर्ट सर्किट के कारण फोटो स्टूडियो में लगी आग, सामान जला

झज्जर। गांव दुजाना में बेरी रोड स्थित एक फोटो स्टूडियो में आग लग गई। जिस कारण दुकान में रखा अधिकांश सामान जलकर गया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। दुकान संचालक वरुण पुत्र रामानंद दलाल ने बताया कि वह करीब पांच-छह वर्षों से दुकान चला रहे हैं। उनकी दुकान के नजदीक एक निजी अस्पताल भी स्थित है। उन्होंने बताया कि सुबह करीब साढ़े पांच बजे जब निजी अस्पताल के कर्मचारियों ने दुकान से आग की लपटें निकलते देखी तो उन्होंने फायर ब्रिगेड कर्मचारियों व उन्हें सूचना दी। इसके उपरांत फायर ब्रिगेड कर्मचारियों ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। वरुण के अनुसार इस आगजनी में उनकी दुकान में लगी दो एलईडी, इनवर्टर, बैटरी, सीपीयू व दो प्रिंटर सहित अन्य सामान क्षतिग्रस्त हो गया। ऐसे में उनका करीब साढ़े तीन लाख रुपये का नुकसान हुआ है। सूचना मिलने के उपरांत पुलिस ने भी मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का जायजा लिया।

झज्जर। मृतक दीपांशु का फाइल फोटो व पोस्टमार्टम के लिए कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी। फोटो : हरिभूमि

12वीं का छात्र था दीपांशु, पिता ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

हिमांशु भाऊ और बाबा गैंग के गुर्गों के बीच रोहतक जिले के गांव रिटोली में हुई गैंगवार के मामले में मौत का शिकार बने महराना निवासी दीपांशु के शव का शनिवार को चिकित्कीय बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया गया। इस दौरान रोहतक से शिवाजी कॉलोनी पुलिस व दुजाना थाना पुलिस टीम ने पहुंच कर मृतक के परिजनों के बयान लिए।

- रोहतक में गैंगवार में गई थी झज्जर के युवक की जान

दुजाना थाना प्रभारी राकेश ने बताया कि करीब बीस वर्षीय मृतक दीपांशु गांव के ही स्कूल में बारहवीं कक्षा का विद्यार्थी था। उसके पिता हरियाणा रोडवेज में कार्यरत है। पुलिस को दी शिकायत में मृतक के पिता सोमबीर पुत्र सूरजभान ने बताया कि शुक्रवार की दोपहर घर पर ही मौजूद था। गांव के युवक रिंकू से पता चला कि एक्सीडेंट के कारण दीपांशु को झज्जर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद जब वे अस्पताल पहुंचे और उन्होंने पता किया तो वहां कर्मचारियों ने कहा कि दीपांशु का नाम कोई मरीज नहीं आया। इसके बाद उन्होंने अस्पताल में कार्यरत गांव के एक अन्य युवक की सहायता से चेक किया तो दीपांशु का शव वहां रखा हुआ था। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने बताया कि उसके पुत्र को गोली लगी है। सोमबीर ने मामले की जांच कर दीपांशु की हत्या के दोषी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। इस संबंध में पुलिस द्वारा नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

नाबालिग छात्रा मणिकर्ण से बरामद, आरोपी रिमांड पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

थाना शहर व सीआईए बहादुरगढ़ की संयुक्त पुलिस टीम ने नाबालिग छात्रा को सकुशल बरामद कर आरोपी युवक को गिरफ्तार किया है। थाना प्रबंधक शहर निरीक्षक बलदेव ने बताया कि शहर निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत दी थी कि उसकी नाबालिग बेटी को एक युवक 13 दिसंबर को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया और आरोपी को पकड़ने के लिए तीन विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। आरोपी की लोकेशन ट्रेस की गई। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी और नाबालिग बच्ची हिमाचल प्रदेश के मणिकर्ण क्षेत्र में मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मणिकर्ण मनाली पहुंची। वहां पुलिस टीम को देखकर आरोपी, बच्ची को साथ लेकर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस ने पीछा कर दोनों को काबू में ले लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान सोमवीर निवासी झज्जर के रूप में हुई है। नाबालिग बच्ची की काउंसलिंग करवाई गई तथा सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उसे सुरक्षित रूप से उसके परिजनों के हवाले कर दिया गया। बच्ची के बयानों के आधार पर आरोपी के खिलाफ रेप एवं जबरदस्ती छेड़खानी से संबंधित गंभीर धाराओं में मामला दर्ज करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपी को पूछताछ के लिए चार दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

ट्रक व बस की टक्कर में कई फैक्ट्री कर्मी घायल

बहादुरगढ़ । रोहतक-दिल्ली रोड पर शनिवार सुबह ट्रक और बस की टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में बस में सवार करीब दर्जनभर फैक्ट्री कर्मी घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के बाद छुट्टी मिल गई। जानकारी के अनुसार, एक ट्रांसपोर्ट कंपनी की बस शहर में से फैक्ट्री कर्मियों को बैठाकर एचएसआईआईडीसी सेक्टर-17 के लिए चली। इसे वहां स्थित 111 नंबर फैक्ट्री में जाना था। जब बस पारले फैक्ट्री से कुछ दूर आगे बढ़ी तो इसी दौरान एक ट्रक के साथ टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में कोई बड़ी हानि तो नहीं हुई लेकिन बस में सवार दर्जनभर लोगों को हल्की चोट आई। इन्हें बहादुरगढ़ के नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों की पहचान अंशु, लाडली, मानसी, अजुन, नरेश, संध्या, मोनू, संजू, अराध्या, निरोली, बिंदु और ध्रुव आदि के रूप में हुई है। इन तमाम घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। दुर्घटना किस चालक की लापरवाही के कारण हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं है। दोपहर तक इस संबंध में पुलिस को शिकायत देने की पुष्टि नहीं हो सकी थी।

- घायलों को हल्की चोटें आने के कारण इलाज के बाद छुट्टी मिली

एलए सीनियर सेकेंडरी स्कूल में समारोह

लेफ्टिनेंट बने कार्तिक को प्रोत्साहन राशि देकर किया सम्मानित

झज्जर। एलए सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र कार्तिक ने लेफ्टिनेंट बनकर संस्थान का नाम रोशन किया है। स्कूल प्रबंधक केएम डागर ने बताया कि शनिवार को स्कूल पहुंचने पर कार्तिक व उसकी मां बबीता, पिता पवन कुमार तथा दादी उषा देवी का स्कूल स्टाफ सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया। उन्होंने बताया कि होनहार कार्तिक ने अपनी पढ़ाई के लिए 15 घंटे से अधिक का समय दिया इसलिए वह यह मुकाम हासिल कर पाया। प्राचार्या निधि कादियान ने बताया कि स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया व नीलम दहिया ने स्टाफ सदस्यों के साथ मिलकर कार्तिक को प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया। इस मौके पर एचओडी रविंद्र लोहचब, पुष्पा यादव, डीपीई अमित लोहचब, विशाल, भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

झज्जर। शनिवार को करंट की चपेट में आने से कबाड़ी का काम करने वाले एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान शहर के सीताराम गेट निवासी करीब तीस वर्षीय राहुल पुत्र रामकिशन के तौर पर हुई है। मामले के जांच अधिकारी देवेंद्र ने बताया कि राहुल शहर में फेरी लगाकर घरों से कबाड़ा खरीदने का काम करता था। शनिवार को भी वह काम पर गया हुआ था। जब वह माता गेट क्षेत्र में एक मकान से खरीदा गया पुराना सरिया उठाकर अपनी रिक्शा में लोड कर रहा था इसी दौरान एक सरिया घरों के साथ से गुजरती बिजली की तारों से छू गया और राहुल करंट की चपेट में आ गया। इसके बाद गंभीर अवस्था में उसे उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि राहुल के बड़े भाई कपिल के बयान के आधार पर इत्तिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

आयोजन

वार्षिकोत्सव में दूसरे दिन भी लगी रही गो सेवकों की भीड़, हवन यज्ञ में डालीं आहुतियां

जीव उपचार केंद्र में सेवा के लिए प्रेमानंद महाराज ने भेजा एक लाख रुपये दान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

जाखौदा स्थित गो एवं वन्य जीव उपचार केंद्र में 12वें वार्षिकोत्सव के दूसरे दिन शनिवार को भी गो सेवकों की भीड़ उमड़ी। हवन में यजमान के तौर पर नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी समेत अनेक गो सेवकों ने आहुति डाली। साथ ही अपने सामर्थ्य अनुसार आर्थिक सहयोग किया। हवन के पश्चात ग्रेटर नोएडा की नीरज भाटी एंड पार्टी द्वारा हरियाणवी सांस्कृतिक रागनियां प्रस्तुत की गई। शनिवार को बेसहारा पीड़ित गोवंश की सेवा के लिए श्री प्रेमानंद जी महाराज वृंदावन द्वारा एक लाख, चेयरपर्सन सरोज रमेश राठी द्वारा एक लाख एक हजार, श्री श्याम पिकअप यूनियन द्वारा एक लाख एक हजार, प्रकाश दलाल हिरण कूदना द्वारा 21 हजार, सुरेंद्र राठी ने 25 हजार 125 व सुरेश डागर ने 21 हजार सहित सभी गो सेवकों ने सामर्थ्य अनुसार आर्थिक सहयोग किया। गोधन सेवा समिति के पदाधिकारियों ने हाल ही में नगर परिषद की सामान्य बैठक में गो माता को नगर माता का दर्जा देने का प्रस्ताव पारित कराने पर चेयरपर्सन सरोज राठी का आभार व्यक्त किया। समिति की ओर से उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। सरोज राठी ने कहा कि गोमाता भारतीय परंपरा में पूजनीय हैं और उनकी सेवा से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

प्रशासन और समाज मिलकर गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए संकल्पबद्ध हैं। उन्होंने समिति के कार्यों की सराहना करते हुए आश्वासन दिया कि भविष्य में नगर परिषद की ओर से गोसेवा और पशु कल्याण से जुड़े कार्यों में हर संभव सहयोग दिया जाएगा। इस मौके पर समिति प्रधान रमेश राठी, पार्षद ज्योति पवन रोहिल्ला, पार्षद राजेश तंवर, संदीप, मनमोहित गुप्ता, सुदामा तायल, बिजेंद्र राठी व सतीश आदि मौजूद रहे। सभी ने हवन यज्ञ में भाग लेकर गौ कल्याण की कामना की।

बहादुरगढ़। सचिन जून को स्मृति चिह्न देते समिति पदाधिकारी।

विधायक निधि से गो सेवा में दिए एक लाख रुपये

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून के हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र में व्यस्त होने के कारण उनके पुत्र सचिन जून ने गोधन सेवा समिति द्वारा संचालित जाखौदा गो एवं वन्य जीव उपचार केंद्र के वार्षिक उत्सव में शिरकत की। समिति पदाधिकारियों व सदस्यों ने सचिन जून का भव्य स्वागत किया तथा स्मृति चिह्न भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान सचिन जून ने विधायक राजेश जून की तरफ से गो माता की सेवा के लिए विधायक निधि से 1 लाख रुपये देने की घोषणा की। सचिन जून ने कहा कि गो माता की सेवा करना अत्यंत पुण्य का कार्य है।

न्यायालय अंकित कुमार चौकसे, भा०प्र०से०, कलैक्टर एवं उपमण्डल अधिकारी, (ना०) झज्जर।
केस न० 06/फक-उल-रहन
केस अनुवानः- जयवीर बनाम शिवदयाल आदि मौजा कैमलगढ़।
उपरोक्त केस इस न्यायालय में विचाराधीन है जिसमें प्रार्थी / फरीक अव्वल ने उत्तरवादी / फरीक दोयम के विरूद्ध फक-उल-रहन केस दायर किया हुआ है। जिसमें अगली तारीख पेशी दिनांक 07.01.2026 लगी हुई है। अतः इस अमर की उत्तरवादी असालतन व वकालतन इस न्यायालय में हाजिर आवें। ना आने की सूरत में फरीक दोयम के विरूद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।
हस्ता/-कलैक्टर, झज्जर।

K.R. MANGALAM

Where Curiosity Grows into Confidence

Affiliated to CBSE

World School Bahadurgarh

ENGAGE. LEARN. INNOVATE.

ADMISSIONS OPEN

Nursery to Grade IX & XI

(Play Group Also Available)

2026-27

Ranked No. 1

INNOVATORS CATEGORY BY TIMES SCHOOL SURVEY 2025

Green Campus | Smart Classrooms | Safe & Holistic Learning

K.R. Mangalam World School, Bahadurgarh, offers a safe, serene, and future-ready learning environment. Set on a 5.5-acre green campus, the fully air-conditioned school combines modern infrastructure, smart technology, and value-based education to nurture academic excellence and holistic growth.

Our Distinctive Infrastructure

- **Spacious & Well-Lit Classrooms –** Airy, ventilated spaces with natural light and ergonomic furniture.
- **Smart Multi-Sensory Classrooms –** Interactive boards and digital tools for engaging learning.
- **Advanced Learning Spaces –** Modern labs, AV rooms, and dedicated art, music, and dance studios.
- **Knowledge Centre (Library) –** Print and digital resources with dedicated teacher workstations.
- **Eco-Friendly Campus –** Rainwater harvesting, recycling systems, and green practices.

World-Class Sports & Activity Facilities

- **Outdoor Sports Facilities –** Football, cricket, basketball, volleyball, tennis, skating, and grounds.
- **Indoor Sports & Wellness –** Badminton, table tennis, chess, yoga, and coached indoor games.
- **Creative & Co-Curricular Spaces –** Music, dance, art studios, clubs, NCC, NSS, and TED-Ed.

Safety, Health & Well-Being First

- **Secure Air-Conditioned Campus –** Centrally air-conditioned with continuous monitoring.
- **On-Campus Medical Care –** Medical centre with trained nurse support.
- **Health & Hygiene Programs –** Regular check-ups and cleanliness awareness initiatives.
- **Safety Training & Drills –** Disaster preparedness drills and safety workshops.
- **Safe Transport System –** Air-conditioned buses with safety protocols.

The KRM Legacy of Excellence

40,000+ Students Studying | 50,000+ Alumni Members | 4,000 Faculty On Board

K.R. Mangalam World School, Bahadurgarh - A place where green spaces inspire, technology empowers, and values shape future leaders.

admission@krmangalambahadurgarh.com

www.krmangalambahadurgarh.com

9549899503

The School is Open for Admissions on All Days

Sector 2, Near Gauri Shankar Mandir, Bahadurgarh, Haryana 124507

G.K.- II | Vikaspuri | Kailash Colony | Paschim Vihar | Vaishali | Greater Noida | Faridabad | Gurugram | Bahadurgarh | Panipat | G.K.- I (IB) | Lucknow | Indirapuram

क्रिसमस स्पेशल

सदियों से मनाया जा रहा प्रभु यीशु के जन्मोत्सव को समर्पित क्रिसमस का पर्व, अब किसी एक क्षेत्र या वर्ग का नहीं ग्लोबल फेस्टिवल बन चुका है। वैश्विक प्रेरणाओं, मानवीय मूल्यों और व्यक्तिगत संवेदनाओं के संगम से आज का क्रिसमस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हम सिर्फ उत्सव न मनाएं बल्कि उत्सव बन जाएं। यही इस दौर के क्रिसमस की सबसे बड़ी और सबसे सकारात्मक उपलब्धि है।

कवर स्टोरी / आर. सी. शर्मा

खुशी-उल्लास-उमंग का ग्लोबल फेस्टिवल क्रिसमस

क्रिसमस एक ऐसा पर्व है जो एक समय तक धार्मिक उत्सव के रूप में मनाया जाता था, लेकिन आज इक्कीसवीं सदी में यह वैश्विक संवेदना, मानवीय एकजुटता और सामूहिक खुशी का प्रतीक बन चुका है। बदलती तकनीक, तेज रफ्तार जीवनशैली, वैश्वीकरण और सामाजिक विविधताओं के बीच भी क्रिसमस का रोमांच कम नहीं हुआ बल्कि कई अर्थों में और गहरा हुआ है।

परंपरा-आधुनिकता का संगम

आज के दौर में क्रिसमस सिर्फ चर्च की घंटियों, कैरोल्स गाने या क्रिसमस ट्री सजाने तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसा अवसर बन चुका है, जहां परंपरा और आधुनिकता एक-दूसरे में घुल-मिल जाती हैं। सोशल मीडिया पर फैली रोशनियां, डिजिटल ग्रीटिंग्स, वर्चुअल पार्टियां और ऑनलाइन गिफ्टिंग, इन सबने क्रिसमस को एक नए स्वरूप से सजा दिया है। जहां पहले क्रिसमस का अनुभव स्थानीय समुदाय तक सीमित रहता था, वहीं आज यह एक ग्लोबल इवेंट बन गया है। न्यूयॉर्क की सड़कों से लेकर टोक्यो, मुंबई और नैरोबी तक हर जगह क्रिसमस की सजावट, संगीत और उल्लास एक साझा भाव पैदा करता है।

खुशियों का नया एहसास

हाल के दशकों में क्रिसमस को लेकर हमारी भावनाओं में निश्चित ही बदलाव आया है। आधुनिक जीवन में तनाव, प्रतिस्पर्धा और अकेलापन बढ़ा है। ऐसे में क्रिसमस एक भावनात्मक विराम की तरह आता है, जहां लोग रुककर रिश्तों, यादों और मानवीय जुड़ाव को महत्व देते हैं। आज की खुशियां सिर्फ उपहारों तक सीमित नहीं रहीं। मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक सुरक्षा और साथ होने की अनुभूति अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। क्रिसमस के समय परिवार या दोस्तों के साथ बैठकर खाना खाना, पुरानी यादें साझा करना या किसी जरूरतमंद की मदद करना, इन सबमें एक गहरी संतुष्टि छिपी है। यानी खुशी की मात्रा नहीं, लेकिन उसकी गुणवत्ता बदली है। यह अधिक संवेदनशील और अधिक मानवीय हुई है।

करुणा-साझेदारी की प्रेरणा

इक्कीसवीं सदी का क्रिसमस हमें कुछ बेहद महत्वपूर्ण वैश्विक प्रेरणाएं देता है। आज क्रिसमस के साथ चैरिटी, फूड ड्राइव्स, शेल्टर होम्स और ऑनलाइन फंड रेजिंग जुड़ चुके हैं। लोग यह समझने लगे हैं कि सच्चा उत्सव तभी है, जब खुशियां दूसरों के संग बांटी जाएं। क्रिसमस अब सिर्फ ईसाइयों का पर्व नहीं रह गया। गैर-ईसाई समाज भी इसे एक मानवीय और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाता है, जो विविधता में एकता का संदेश देता है। युद्ध, संघर्ष और अस्थिरता के वर्तमान दौर में क्रिसमस का 'पीस ऑन अर्थ' वाला विचार, पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गया है। यह हमें याद दिलाता है कि शांति कोई अमूर्त सपना नहीं बल्कि रोजमर्रा के छोटे व्यवहारों से भी संभव है।

महत्वपूर्ण है अर्थपूर्ण उत्सव

यह सच है कि आधुनिक क्रिसमस में बाजार का प्रभाव बढ़ा है- सेल्स, ऑफर्स और ब्रांडिंग हर जगह दिखती है। लेकिन इसके समानांतर एक नई सोच भी उभर रही है, मिनिमल और अर्थपूर्ण क्रिसमस। आज कई लोग 'कम खरीदो, बेहतर जियो' के विचार के साथ क्रिसमस मना रहे हैं। हैंडमेड गिफ्ट्स, अनुभव आधारित उपहार (जैसे समय देना, साथ घूमना) और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार सजावट। ये बदलाव बताते हैं कि खुशी की अतिरिक्त परतें दिखावे से नहीं, सार्थकता से आती हैं।

क्रिसमस मनाने के ऐतिहासिक-धार्मिक संदर्भ

क्रिसमस ईसाई धर्म का सबसे बड़ा पर्व है, जिसे यीशु मसीह के जन्म की स्मृति में मनाया जाता है। ईसाई मान्यता के अनुसार यीशु का जन्म मानवता को पाप, हिंसा और अन्याय से मुक्ति दिलाने के लिए हुआ था। बाइबिल की कथा के अनुसार, यीशु का जन्म बेथलेहम में एक गौशाला में हुआ, जहां उनकी माता मरियम ने उन्हें जन्म दिया और यूसुफ उनके संरक्षक थे। यह कथा ईसाई धर्म में विनम्रता, त्याग और करुणा का मूल प्रतीक मानी जाती है। 25 दिसंबर को क्रिसमस मनाने की परंपरा यीशु के जन्मदिन से जुड़ी है। इतिहासकारों के अनुसार चौथी शताब्दी में रोमन साम्राज्य ने 25 दिसंबर को यीशु के जन्म दिवस के रूप में स्वीकार किया। इसका एक कारण यह भी था कि इसी समय रोम में 'सैटर्नेलिया' और 'सोल इन्विक्टस' जैसे सूर्य-उत्सव मनाए जाते थे। ईसाई धर्म के प्रसार के दौरान इन लोकप्रिय पर्वों को एक नए धार्मिक अर्थ के साथ जोड़ा गया, जिससे क्रिसमस व्यापक रूप से स्वीकार्य हो सका।

धार्मिक दृष्टि से क्रिसमस सिर्फ जन्मोत्सव नहीं बल्कि ईश्वर के प्रेम के अवतरण का प्रतीक है। ईसाई आस्था के अनुसार यीशु 'ईश्वर के पुत्र' हैं, जो मानव रूप में धरती पर आए ताकि प्रेम, क्षमा और दया का संदेश दे सकें। इसी कारण क्रिसमस के दौरान चर्चों में विशेष प्रार्थनाएं, मध्यरात्रि मिस्सा, कैरोल गायन और बाइबिल पाठ किए जाते हैं।

क्रिसमस सेलिब्रेशन से जुड़ी परंपराएं

क्रिसमस को पारंपरिक रूप से एक धार्मिक, पारिवारिक और सामुदायिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसकी तैयारियां एडवेंट काल से शुरू होती हैं, जो क्रिसमस से लगभग चार सप्ताह पहले आता है। इस दौरान लोग आत्मचिंतन, प्रार्थना और संयम पर ध्यान देते हैं। कई परिवार, घरों में एडवेंट कैंडल जलाते हैं, जो आशा और प्रकाश का प्रतीक मानी जाती है। घरों और चर्चों की सजावट, क्रिसमस की सबसे प्रमुख परंपरा है। क्रिसमस-ट्री सजाना भी इसका प्रमुख अंग है, जिसे रोशनी, सितारों, घंटियों और सजावटी गेंदों से सजाया जाता है। ट्री के ऊपर लगाया जाने वाला तारा बेथलेहम के उस तारे का प्रतीक है, जिसने तीन ज्ञानी पुरुषों को यीशु के जन्मस्थल तक पहुंचाया था। साथ ही कई स्थलों पर नैटिविटी सीन (यीशु के जन्म का दृश्य) लगाया जाता है। क्रिसमस ईव (24 दिसंबर की रात) को चर्चों में मिडनाइट मास होती है, जिसमें प्रार्थना, बाइबिल पाठ और सामूहिक कैरोल्स गाए जाते हैं। क्रिसमस के दिन परिवार और मित्र एक साथ मिलते हैं, विशेष भोज का आयोजन होता है और एक-दूसरे को उपहार दिए जाते हैं। बच्चों के लिए सांता क्लॉज की परिकल्पना खास आकर्षण होती है, जो उदारता और खुशी बांटने का प्रतीक है।

सकारात्मक प्रेरणाओं का उत्स

आज के संदर्भ में क्रिसमस हमें तीन सबसे सकारात्मक बातें सिखाता है।

उम्मीद: चाहे दुनिया कितनी भी अनिश्चित क्यों न हो, क्रिसमस उम्मीद का पर्व है। यह नए सिरे से शुरू करने की प्रेरणा देता है।

रिश्तों की प्राथमिकता: यह पर्व याद दिलाता है कि जीवन की असली पूंजी हमारे संबंध हैं, न कि भौतिक उपलब्धियां।

मानवीय गरिमा: क्रिसमस का मूल संदेश- प्रेम, क्षमा और करुणा, आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना सदियों पहले था। कहने का सार यही है कि इक्कीसवीं सदी में क्रिसमस फेस्टिवल का रोमांच बाहरी चमक से ज्यादा आंतरिक अर्थ में बसता है। हमारी खुशियां शायद अधिक सजावटी नहीं हुईं, लेकिन अधिक सजग जरूर हुई हैं। *

अमेजिंग / शिखर चंद जैन

दुनिया के सबसे अनूठे क्रिसमस-ट्री

क्रिसमस के अवसर पर दुनिया भर में बेशुमार क्रिसमस ट्री सजाए जाते हैं। लेकिन कुछ क्रिसमस ट्री इतने अनूठे तरीके से सजाए जाते हैं कि उनकी भव्यता देखते ही बनती है। यहां हम आपको दुनिया के कुछ ऐसे ही अमेजिंग क्रिसमस ट्री के बारे में बता रहे हैं।

रॉकफेलर सेंटर क्रिसमस-ट्री यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका

रॉकफेलर सेंटर क्रिसमस-ट्री, 3 दिसंबर की शाम से ही आम लोगों के देखने के लिए अपनी सजधज के साथ रेडी हो जाता है। यह 75 फुट ऊंचा नॉर्वे स्प्रूस पेड़ है, जो ईस्ट ग्रीनबुश, न्यूयॉर्क से लाया गया है। इसे मैनहट्टन के मध्य में 30 रॉकफेलर प्लाजा में सजाया जाता है। यह 10 जनवरी तक देखने के लिए उपलब्ध रहता है। 2004 से स्थापित यह क्रिसमस ट्री 30,000 एलईडी लाइटों से रोशन होता है, जो सौर पैनलों से चलती हैं। 2007 से इस पर 550 पाउंड का स्वारोवस्की क्रिस्टल स्टार लगा हुआ है।

क्रिसमस का उत्सव क्रिसमस-ट्री के बिना अधूरा है। वैसे तो क्रिसमस-ट्री वास्तव में पाइन, डगलस, बालसम या फर का पेड़ होता है। ये पेड़ सदा हरे-भरे रहते हैं इसलिए इन्हें सजावट के लिए चुना जाता है। लेकिन दुनिया भर में अलग-अलग चीजों के उपयोग से एक से बढ़कर एक कृत्रिम क्रिसमस-ट्री भी खूब बनाए और सजाए जाते हैं। आइए जानते हैं कुछ अनूठे क्रिसमस-ट्री के बारे में।

टंबलवीड ट्री यूएसए: चांडलर, संयुक्त राज्य अमेरिका के एरिजोना राज्य में मैरिकोपा काउंटी में स्थित एक शहर और फीनिक्स का एक उपनगर है। यह तकनीक और नवाचार का एक प्रमुख केंद्र है। यहां टंबलवीड-ट्री नामक प्रसिद्ध क्रिसमस-ट्री है, जिसे हर साल एक खास परंपरा के तहत बनाया जाता है। 1957 से चली आ रही इस परंपरा में हजारों टंबलवीड्स और रोशनी का उपयोग होता है। इसकी शुरुआत तब हुई, जब आग लगने से शहर की क्रिसमस की सजावट नष्ट हो गई थी। तब लोगों ने इस अनूठे पेड़ का इस्तेमाल किया था। यह पारंपरिक क्रिसमस-ट्री की तरह नहीं है, बल्कि सूखी झाड़ियों (टंबलवीड्स) को इकट्ठा करके बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए लगभग 1,000 से अधिक टंबलवीड्स और 1,200 रंगीन बल्बों का उपयोग किया जाता है।

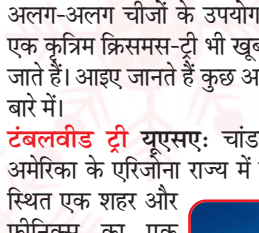

बिग क्रिसमस-ट्री इटली: यह दुनिया के सबसे अनूठे और सबसे ज्यादा लाइटों वाले क्रिसमस-ट्रीज में शामिल है। इटली के गुब्बीओ में माउंट इजिनो पर बना यह विशाल-ट्री 1981 से मौजूद है। यह दुनिया के सबसे बड़े क्रिसमस-ट्री के रूप में जाना जाता है, जिसे 1991 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया था। यह माउंट इंगिनो की ढलान पर हजारों लाइटों और 7.5 किमी लंबे बिजली के तार से बना एक भव्य लाइट डेकोरेशन से बनता है, जो एक विशाल क्रिसमस-ट्री का आकार लेता है। इसकी ऊंचाई लगभग 750 मीटर और आधार पर चौड़ाई 450 मीटर होती है। इसे आमतौर पर 7 दिसंबर से 6 जनवरी तक सजाया जाता है। हर साल क्रिसमस के समय हजारों पर्यटक इसे देखने आते हैं।

स्काई ट्री जापान: क्रिसमस के अवसर पर जापान के टोक्यो में कई प्रसिद्ध क्रिसमस ट्री और लाइट-अप शोज डेकोरेट किए जाते हैं, जिनमें टोक्यो स्काई-ट्री का विशालकाय क्रिसमस-ट्री भी शामिल है। टोक्यो स्टेशन के मारुनोउची क्षेत्र के पास किट्टे बिल्डिंग के बाहर जापान का यह सबसे बड़ा क्रिसमस-ट्री सजाया जाता है। यह 14 मीटर ऊंचा है। इसे आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। यहां लगभग 500,000 बल्ब्स का शो आयोजित होता है, जो 'क्विंकल थ्री स्टार्स' और अन्य लाइट-अप थीम के साथ प्रदर्शित किया जाता है। किट्टे बिल्डिंग टोक्यो में सबसे ऊंची इमारत है, जो इसका प्रतीक चिन्ह भी बन गया है। इनके निकट ही स्थित ग्योको-डोरी स्ट्रीट और नाका-डोरी स्ट्रीट को भी उत्सव की रोशनी से सजाया जाता है। इसके अतिरिक्त क्रिसमस के अवसर पर यहां के ओमोतेसांडो, रोपोंगी और ओडेबा जैसे कई क्षेत्रों में सुंदर लाइटिंग डिस्प्ले आयोजित किए जाते हैं।

ओरिगामी क्रिसमस-ट्री यूएसए: न्यूयॉर्क का वर्ल्ड फेमस ओरिगामी क्रिसमस-ट्री, किसी भी दूसरे क्रिसमस-ट्री से अलग है। यह अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री (एएमएनएच) में मौजूद है। यह लगभग 13 फीट लंबा पेड़, कागज से बने हुए जानवरों, जड़ी-बूटियों और अन्य आकृतियों से सजाया जाता है, जो ओरिगामी कलाकारों द्वारा बनाए जाते हैं। विभिन्न प्रकार के ओरिगामी रंगों में सजा यह पेड़ देखने में बहुत आकर्षक और बेहद रंगीन लगता है। *

कविता / हेमधर शर्मा

कृतज्ञता और कृतघ्नता

जो देता है हम उसे देवता कहते हैं
फिर क्यों हरदम लेने की
इच्छा रखते हैं?
जड़ जिन्हें समझते हैं हम
पौधे-पेड़ सभी तो देते हैं
फिर याचक बनकर ही
खुश क्यों हम रहते हैं?
हो सकता है हों बुद्धिमान हम
दुनिया में सबसे ज्यादा
खुदगर्ज बनाए लेकिन जो
क्या बुद्धि उसी को कहते हैं?
लेता है कोई काम अगर
प्रतिदान नहीं देता है तो
अन्यायी उसे समझते हैं
फिर जड़-चेतन सबसे लेकर
मन में कृतज्ञ भी हो न सके
ऐसा कृतघ्न मानव बनकर
कैसे हम सब जी लेते हैं?

व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय

अपने यहां आजकल जो भी होता है, कैमरे के सामने ही होता है। इसकी एक चमक के आगे दुनिया की हर चमक-दमक फीकी है। कैमरा नहीं, तो शादी-ब्याह तक में भी किसी की कमर न लचके।

कैमरों की चमकती चंचल चाहतें

अपने यहां आजकल जो भी होता है, कैमरे के सामने ही होता है। इसकी एक चमक के आगे दुनिया की हर चमक-दमक फीकी है। कैमरा नहीं, तो शादी-ब्याह तक में भी किसी की कमर न लचके। वह तो यह कैमरा ही है, जिसके आते ही तमाम बाराती नागिन हो जाते हैं और उनकी रूमाल से अपने आप ही बीन की धुनें निकलने लग जाती हैं। सोचता हूं, कहीं कल जंगल में मोर भी यह कहकर नाचने से इनकार न कर दें कि इधर कैमरे तो हैं ही नहीं। जब कोई फिल्म ही नहीं बना रहा, तो फिर जंगल में ऐसे नाच का आखिर फायदा भी क्या?

धरना, प्रदर्शन, अनशन, घेराव, रैली, भाषण, चुनाव, सबको कैमरे चाहिए। वह भी ऐसे-वैसे नहीं, समाचार चैनलों वाले। एक नहीं, अनेक। हर कोण से कवरेज जरूरी है। जिस काम को दुनिया न देखे, वह काम भी किस काम का? जिन्हें इन कैमरों से ज्यादा लगाव होता है, ऐसे साहसी लोग गुप्त कैमरों से भी भय नहीं खाते। यह जानते हुए कि जमाना स्टिंग ऑपरेशन का है और कभी भी धरे जा सकते हैं, वे तब भी अपना असली काम कर ही डालते हैं।

'आप कैमरे की नजर में हैं।' मैं जहां कहीं पर भी यह बोर्ड लगा देखता हूं, मुझे हंसी आने लगती है। ऐसे बोर्ड चोर को पकड़ने के लिए लगाए गए होते हैं कि उन्हें सहयोग करने के लिए कि यहां हरकत की, तो तू पकड़ा जा सकता है। जा, बिना कैमरे वाली जगह तलाश। मैं सोचता हूं, यदि चोर भी सीसीटीवी कैमरों से भयग्रस्त होकर अपना चौर्य-कर्म त्याग चुके होते, तो हम आए दिन चोरी की वारदात की खबरें पढ़ने, सुनने और देखने को तरस जाते। क्या पता, कैमरा उन्हें नया उत्साह देता हो। अब तो कैमरों को प्रोफेशनल फोटोग्राफरों की दरकार भी नहीं रही। सभी के हाथों में मोबाइल कैमरे हैं और सेल्फियों की चमकती हुई चंचल चाहतें। इसके एकनेत्री स्वरूप पर आज पूरा विश्व मोहित है। तभी तो, युद्ध हो या शांति, लोग अपनी आंखों से अधिक इन कैमरों की दिखलाई हुई चीजों पर विश्वास करने लगे हैं। *

लघुकथा / चंद्रप्रकाश डाले

उपेक्षा के आंसू

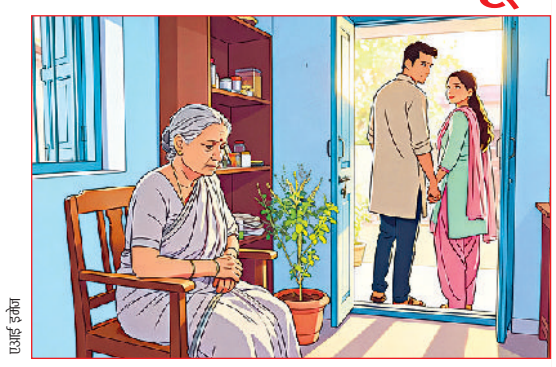

अस्पताल में चार दिनों से भर्ती सविता जी ने नर्स से पूछा, 'सिस्टर, मेरा बेटा आया था क्या?'

नर्स बोली, 'अरे माता जी, आप चार दिन से यही रट लगाए हैं कि बेटा आया है क्या, अरे आज तो आपकी छुट्टी होने वाली है।'

मां की आंखों में आंसू आ गए। रुंधे गले से बोलीं, 'मैं उसकी मां हूं ना। मैंने बड़ी तकलीफ, त्याग और तपस्या से उसको पाला है। इसलिए बार-बार उसके बारे में पूछती हूं। खैर, कोई बात नहीं।'

नर्स बोली, 'माता जी, बस आप तैयार हो जाइए, अस्पताल से छुट्टी मिल गई है, अब आपको घर जाना है, अपने बेटे के पास। आपके बिल वगैरह सब बन गए, उसका पेमेंट भी मिल चुका है।'

सविता ने फिर पूछा, 'मेरा बेटा लेने आया है क्या?'

'नहीं माता जी, ड्राइवर गाड़ी लेकर आया है।' नर्स ने बताया।

कुछ न कहकर, आंखों में आंसू छुपाते हुए सविता जी गाड़ी में बैठकर घर पहुंच गईं, लेकिन बेटे की उपेक्षा से खुद को थका हुआ और निराश महसूस कर रही थीं।

कुछ देर बाद ही बहू के मायके से फोन आया कि उसकी मां की तबियत खराब हो गई है। बहू ने तत्काल अपने पति को ऑफिस में फोन किया और बोली, 'आप तुरंत घर आ जाइए, मेरी मां की तबियत बहुत खराब है। और सुनो चार-पांच दिनों की छुट्टी भी ले लेना। मां को अस्पताल में भर्ती कराकर उनकी देखभाल के लिए वहां रुकना होगा।'

सासु मां की तबियत की खबर सुनकर सविता जी का बेटा तत्काल घर आ गया और जल्दी से तैयार होकर अपनी पत्नी के साथ ससुराल जाने लगा। दरवाजे से बाहर निकलते हुए जैसे उसे कुछ याद आया और वह पलटकर अपनी मां से बोला, 'मां, हम दोनों चार-पांच दिन के लिए जा रहे हैं। आप घर का ख्याल रखना।'

मां ने उन दोनों को जाते हुए देखा। मायूस होकर पास रखी कुर्सी पर बैठ गई। सोचने लगी, अस्पताल में भी वह अकेली थी, अब घर में भी अकेली है। साथ में थे तो सिर्फ आंसू। उपेक्षा से उपजे आंसू। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

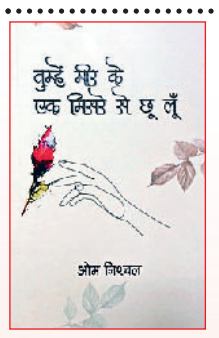

अंतस को छूते गीत

वरिष्ठ साहित्यकार ओम निश्चल के गीतों का नया संग्रह 'तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं' हाल में छपकर आया है। आज के दौर में जब छंदमुक्त कविताओं की बाढ़ आई हुई है, ऐसे में अत्यंत कोमलता को खुद में समेटे हुए, रुई के फाहे-से ये गीत हमारी रूह को हौले से छू लेते हैं। इन गीतों में खास तौर पर प्रेम के अनेक रंग तो पैबस्त हैं ही, इनके साथ ही जीवन की विडंबनाएं, अलग-अलग ऋतुओं का सौंदर्य, खेती-किसानी, मिट्टी का सोंधापन, सांस्कृतिक नगरों की छटा, पारंपरिक पर्वों की आभा, ईश्वर के प्रति अहैतुक आस्था और कुछ अनकहे से रिश्तों की खुशबू को भी शिद्दत से महसूस किया जा सकता है। गीतों के रचाव और शब्दों के चयन में ओम जी प्रयोगधर्मी रहे हैं, किसी भाषा को लेकर उनकी रचनात्मकता में कोई हठधर्मिता नहीं दिखती है। इसके साथ ही वे पढ़ने वाले के अंतस में भावनाओं का अप्रतिम प्रतिसंसार भी रचते चलते हैं। इसकी बानगी संग्रह के कई गीतों में देखी जा सकती है। अतीत में घटित प्रेम को बेहद मार्मिकता से वे शब्दों में पिरोते हुए कहते हैं, *'पलकें बोझिल और उनींदी रातें होती थीं/बरसों पहले तुमसे कितनी बातें होती थीं।'* तो कहीं जीवन की क्रूरता के समक्ष विवश मन कराह उठता है, *'प्रार्थना में फूल, मन में अर्घ्य देकर/लौट आए डबडबाई आंख लेकर।'* कहीं अपने आराध्य प्रभु की भक्ति में गीतकार का मन पुलकित होकर गा उठता है, *'दीप घर-घर जले हैं अवध में पिया/आज लौटे अयोध्या में रघुवर-सिया।'* तो कहीं प्राचीन नगर के सांस्कृतिक वैभव को देखकर वे अंतस के उल्लास को व्यक्त करने से रोक नहीं पाते, *'काशी के घाट निराले, रे भैया/काशी के घाट निराले।'* और प्रेम मिलन को व्यक्त करती ये पंक्तियां तो बेमिसाल हैं, *'पलकों को होठों की धड़कन से छू लूं/सुनाऊं गजल कोई गालिब की तुमको/तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं।'* *

पुस्तकः तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं (गीत-संग्रह), रचनाकारः ओम निश्चल, मूल्यः 300 रुपए, प्रकाशकः हिंदी अकादमी, दिल्ली

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 21 दिसंबर 2025

अवसर जब क्रिसमस का हो तो केक का जिक्र होता ही है। घर-घर में इसे बनाया और फ्रेंड्स-रिलेटिव्स के संग एंज्वॉय भी किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि केक बनाने की शुरुआत कब हुई? इसका आकार, स्वाद कैसे बदला? जानिए, केक से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

टेस्टी केक से जुड़ी अनूठी-रोचक बातें

रोचक / शिखर चंद जैन

बच्चे ही नहीं, बड़ी उम्र के भी अधिकांश लोगों को केक खाना पसंद होता है। किसी का बर्थडे हो या मैरिज एनिवर्सरी या कोई और सेलिब्रेशन, खुशी और जश्न के खास मौकों पर केक कट कर खिलाने का चलन है। केक खाने में जितने यमी होते हैं, उतनी ही दिलचस्प इससे जुड़ी कुछ बातें भी हैं। इनके बारे में यहां बता रहे हैं।

कैसा था शुरुआती केक: शुरुआती दौर में बनने वाले केक आज की तरह सॉफ्ट, डिजाइनर और अट्रैक्टिव नहीं होते थे। ये अनाज के बने हुए सघन और चपटे (डेंस और फ्लैट) होते थे। इन्हें पीसे हुए अनाजों में खमीर (यीस्ट) उठाकर बनाया जाता था। फिर इन्हें सुखाकर जमाया जाता था। आज हम जिस तरह के केक का आनंद लेते हैं, उनसे मिलते-जुलते केक 18वीं-19वीं शताब्दी में बनने शुरू हुए।

ऐसे हुई क्रिसमस केक की शुरुआत: रोम में शुरुआती दौर में क्रिसमस के अवसर पर मीठी रोटियां बनाई जाती थीं। मध्यकाल तक आते-आते इन मीठी रोटियों का स्थान प्लम-पॉरिज (आलू बुखारा, ओट्स, फ्रूट्स, ड्राय फ्रूट्स आदि मिलाकर बनाया गया दलिया) ने ले लिया। 16वीं सदी तक आटे, अंडे, मक्खन से प्लम केक बनने शुरू हो गए। इसे 'ट्वेल्थ नाइट केक' कहा जाता था। धीरे-धीरे ये ट्वेल्थ नाइट केक, क्रिसमस के उत्सव का एक अभिन्न हिस्सा बन गए। आज क्रिसमस के अवसर पर हम जो 'फ्रूट केक' या 'आइस्ड केक' खाते हैं, वह इसी ट्वेल्थ नाइट केक का अपडेटेड वर्जन है।

केक पर सर्वाधिक कैंडल्स जलाने का रिकॉर्ड: क्या आप जानते हैं कि बर्थडे केक पर सबसे अधिक कैंडल्स जलाने का एक वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है? जन्मदिन के केक पर सबसे ज्यादा मोमबत्तियां जलाने का विश्व रिकॉर्ड 2016 में आश्रिता फुरमान और न्यूयॉर्क स्थित श्री चिन्मय केंद्र ने बनाया था, जब केक पर 72,585 मोमबत्तियां जलाई गई थीं। यह केक ध्यान गुरु श्री चिन्मय के 85वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में बनाया गया था। श्री चिन्मय केंद्र के 100 सदस्यों ने मिलकर यह अनोखा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था।

बर्थडे पर केक काटने की शुरुआत: जन्मदिन के अवसर पर दुनिया के अधिकांश देशों में केक काटा जाता है, खाया-खिलाया जाता है। माना जाता है कि 16वीं-17वीं सदी में जर्मनी में पहली बार छोटे बच्चों का जन्मदिन मनाने के लिए केक बनाना शुरू किया गया। इस केक को 'किंडरफेस्ट' कहा जाता था। ये केक दिखने में आज के केक से काफी मिलते-जुलते होते थे। फिर धीरे-धीरे केक बर्थडे सेलिब्रेशन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनता गया।

पॉपुलर केक फ्लेवर्स: जन्मदिन के केक की बात करें तो ज्यादातर लोगों के लिए चॉकलेट सबसे पसंदीदा फ्लेवर होता है, उसके बाद नंबर आता है वनीला फ्लेवर का। जर्मन चॉकलेट केक दुनिया के सबसे मशहूर केक्स में से एक है। इंटरेस्टिंग बात यह है कि 'जर्मन चॉकलेट केक' की उत्पत्ति जर्मनी में नहीं हुई थी। दरअसल, इसका संबंध सैमुअल जर्मन नामक एक अमेरिकी व्यक्ति से था, जिन्होंने 1852 में एक डार्क बेकिंग चॉकलेट बनाई थी। इसे 'जर्मन्स स्वीट चॉकलेट' के नाम से जाना जाता था। 1957 में इस रेसिपी का इस्तेमाल केक बनाने में किया गया और 'जर्मन्स चॉकलेट केक' शीर्षक से प्रकाशित किया गया था। तब से इसे इसी नाम से जाना जाता है। *

केक से रिलेटेड कुछ इंटरेस्टिंग फैक्ट्स

- दुनिया का सबसे महंगा केक 'पाइरेट्स फैंटेसी' था जिसकी कीमत लगभग 35 मिलियन डॉलर थी।

- शिकागो के पैट्रिक बर्टोलेटी 'डीप डिश' ने 2012 में छह मिनट में 72 कप केक खाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।
- कप केक की रेसिपी गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली रेसिपीज में से एक है।
- दुनिया का सबसे ऊंचा केक बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के कुछ स्कूली बच्चों के नाम है। 33 मीटर (108.27 फीट) ऊंचे इस केक को हाकासिमा-निलासरी कलिनरी स्कूल के बच्चों ने क्रिसमस के अवसर पर बनाया था।
- पुराने जमाने में इंग्लैंड में मान्यता थी कि तकिए के नीचे 'फ्रूट केक' रखकर सोने से सुंदर पति मिलता है। इसे 'ड्रीमिंग केक' भी कहा जाता था।

पहला मैरिज फंक्शन केक

आजकल शादियों में भी केक काटने का ट्रेंड बढ़ने लगा है। यह परंपरा कब से शुरू हुई, यह तो पुख्ता तौर पर नहीं कहा जा सकता, मगर पहले विवाह केक का उल्लेख 1858 में मिलता है। यह ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया की सबसे बड़ी बेटी (उसका नाम भी विक्टोरिया था) के मैरिज फंक्शन के लिए बनाया गया था। प्रिंसेस विक्टोरिया का विवाह केक तीन गज चौड़ा और 300 पाउंड वजन का था, लेकिन वह सिर्फ एक मंजिला था। उनकी शादी के केक पर सफेद आइसिंग का पहली बार इस्तेमाल किया गया था। तभी से इस तरह की आइसिंग को 'रॉयल आइसिंग' के नाम से जाना जाता है।

हम जो चाहते हैं, हमेशा वैसा ही हो, यह हमारे हाथ में नहीं है। लेकिन खुश रहना हमारे हाथ में है। कुछ छोटी-छोटी बातों और आदतों को अगर हम अपने जीवन का हिस्सा बना लें तो यकीन मानिए, हम हमेशा खुश रह सकते हैं। ऐसी ही कुछ काम की बातों के बारे में जानिए।

अपना लें ये आदतें हमेशा रहेंगे खुश

लाइफस्टाइल / अंजू जैन

किसी ने कितनी सही बात कही है, 'अपने दुःखों को भगाने का एक ही रास्ता है, खुश रहना।' सब खुश रहना चाहते हैं लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि खुशियों को अपने दामन में समेट कर कैसे रखा जाए? डॉ. ए. शिंडलर के अनुसार, 'दुःख ही सभी मनोदैहिक रोगों का एकमात्र कारण है और खुशी ही एकमात्र उपचार है।' डिजीज शब्द का अर्थ ही दुःख की अवस्था है। डिज-ईज यानी आराम से न रहना। दरअसल, खुशी एक मानसिक स्थिति है, जो काफी हद तक हमारी आदतो पर निर्भर करती है।

क्या है हैप्पी-ओलॉजी: विशेषज्ञों का मानना है कि खुशी हासिल करने का एक वैज्ञानिक नजरिया भी होता है और हर कोई अपने दैनिक जीवन में खुश होने के लिए छोटे-छोटे कारण ढूंढ़ सकता है। इसे ही 'हैप्पी-ओलॉजी' कहते हैं। इसके मुताबिक किसी वस्तु, व्यक्ति या स्थिति से खुश या संतुष्ट होना आपके ऊपर निर्भर करता है। आप चाहें तो किसी बात से चिढ़कर गुस्सा या उदास हो सकते हैं और आप चाहें तो इन नकारात्मक भावनाओं से ऊपर उठकर खुद को खुश रख सकते हैं, यानी खुश रहना हमारे हाथ में है। सुविख्यात लेखक एवं विद्वान डेल कार्नेगी ने भी कहा है, 'प्रसन्नता बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करती, वह हमारे मानसिक दृष्टिकोण से संचालित होती है।' विलियम जेम्स ने कहा है, 'हम इसलिए नहीं हंसते कि हम खुश हैं, बल्कि हम इसलिए खुश हैं कि हम हंसते हैं।'

खोज लीजिए अपना हैप्पियोलॉजिस्ट: व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, आप खुद अपना हैप्पियोलॉजिस्ट खोज सकते हैं। अपने इर्द-गिर्द एक ऐसे इंसान को ढूंढ़ निकालें, जो आपके हिसाब से सदा खुश रहता है और उसे अपना आदर्श यानी हैप्पियोलॉजिस्ट बना लें। आप देखेंगे कि ये लोग जरा-जरा सी बातों में ही बच्चों की तरह खुश हो जाते हैं और खिलखिलाकर हंसने लगते हैं। ये खुशी हमारे सोचने के तरीके पर निर्भर करती है। कोई चाहे तो 10 रुपए की ऑरेंज आइसक्रीम खाकर खुश और संतुष्ट हो सकता है, वहीं आदतन दुःखी रहने वाला इंसान 100-150 की ब्रांडेड आइसक्रीम खाकर भी दुःखी ही नजर आएगा और उसके स्वाद में कोई न कोई नुक्स ढूंढ़ निकालेगा।

छोटी-छोटी चीजों में खोज लें खुशी: वैज्ञानिकों ने अपनी स्टडीज में पाया है कि खुश होने के लिए आप बड़ी चीजों का इंतजार न करें, छोटी-छोटी बातों में खुशी ढूंढ़ें। मिरियम लीगलर ने अपनी पुस्तक 'फाइंडिंग योर इनर हैप्पियोलॉजी' में लिखा है, 'हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत-सी सामान्य चीजें ऐसी हैं, जिनसे हम खुशी महसूस कर सकते हैं। बस इन चीजों के प्रति हमारा नजरिया ऐसा होना चाहिए।'

ठान लें कि खुश रहना है: वाल्टेयर ने कहा है, 'मैंने खुश रहना चुना, क्योंकि यह मेरे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।' इस संबंध में अब्राहम लिंकन की बात भी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा था, 'अधिकांश लोग लगभग उतने ही खुश होते हैं, जितना खुश रहने का वे मन बनाते हैं।'

हैप्पियोलॉजिस्ट सुजाना हैलोनेस किसी समय एक दुःखी और निराश इंसान थीं। उन्हें अपनी जिंदगी और जॉब से बेशुमार शिकायतें थी। एक दिन अचानक उन्होंने खुद को बदल डाला। अब वे हैप्पीनेस के प्रोजेक्ट पर काम करती हैं और बेहद खुश रहती हैं।

खुशी से मिलेगी सफलता: सुजाना हैलोनेस अपनी वेबसाइट पर लिखती हैं, 'मैंने सीख लिया कि सफलता से खुशी नहीं मिलती बल्कि खुशी से सफलता मिलती है।' खुश रहने से हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है, साथ ही हमारी क्रिएटिविटी और प्रोडक्टिविटी भी बढ़ती है। लोगों के साथ रिश्ते भी इंप्रूव होते हैं। जाहिर है, खुशी सफलता का माध्यम बन जाती है। सुजाना कहती हैं, 'खुशी एक अभ्यास है, मंजिल नहीं।'

मुस्कुराइए-हंसिए हर रोज: ब्रिटेन के हिप्नोटिस्ट और व्यवहार विज्ञानी पॉल मैकेना ने अपनी किताब 'आइ कैन मेक यू हैप्पी' में लिखा है कि रोज 20 बार हंसें और 20 बार मुस्कुराएं। भले ही आपको ऐसा जबरन करना पड़े। मुस्कुराने और हंसने से आपके शरीर में सेरोटोनिन रिलीज होता है, जो एक फील गुड हॉर्मोन है। कुछ दिनों बाद आप खुश रहने के अभ्यस्त हो जाएंगे। *

इसलिए कहते हैं मैरी क्रिसमस!

जानकारी / अलका 'सोनी'

क्रिसमस का त्योहार लगभग पूरी दुनिया में मनाया जाता है। सभी देश अपने-अपने तरीके से इसे मनाते हैं। इसे मनाने का तरीका चाहे जो भी हो, एक बात जो हर जगह कॉमन होती है वह है क्रिसमस की शुभकामनाएं एक-दूसरे को देते हुए 'मैरी क्रिसमस' बोलना। अन्य मौकों पर, चाहे वो न्यू ईयर हो या फिर होली, दीवाली जैसे त्योहार। लोग एक-दूसरे को 'हैप्पी' बोलकर शुभकामनाएं देते हैं, जैसे- 'हैप्पी न्यू ईयर', 'हैप्पी दिवाली' आदि। लेकिन क्रिसमस के लिए बोलते हैं- मैरी क्रिसमस।

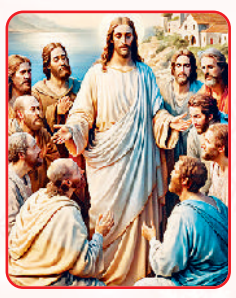

कैसे हुई 'मैरी क्रिसमस' बोलने की शुरुआत: क्रिसमस विश करने के लिए 'मैरी क्रिसमस' बोलने की शुरुआत को लेकर कई संदर्भ मिलते हैं। सन 1534 में लंदन के बिशप जॉन फिशर ने क्रिसमस के मौके पर हेनरी अष्टम के प्रमुख मंत्री थॉमस क्रोमवेल को पत्र लिखकर 'मैरी क्रिसमस' विश किया था। इसके अलावा मैरी क्रिसमस बोलने का उल्लेख 1843 में लिखे गए चार्ल्स डिकेंस के उपन्यास 'ए क्रिसमस कैरोल' में भी किया गया है।

मदर मैरी के सम्मान में: ईसा मसीह की मां 'मरियम' ईसाई धर्म में बहुत सम्मानित मानी जाती हैं। उन्हें सभी ईसाइयों की माता और मानव जाति में सर्वोच्च इंसान माना जाता है। मरियम को 'मैरी' नाम से भी जाना जाता है। इसलिए एक मान्यता यह भी है कि मदर मैरी के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए 'हैप्पी क्रिसमस' के स्थान पर 'मैरी क्रिसमस' बोलकर क्रिसमस विश किया जाता है।

मतलब है समान: 'मैरी' शब्द का अर्थ हर्षित, आनंदित या उल्लासपूर्ण होता है। यह शब्द अकसर उत्सव और खुशी के अवसरों के साथ जुड़ा होता है। 'हैप्पी' का अर्थ होता है 'खुश' या 'संतुष्ट'। कुछ भाषाविदों का मानना है कि 'हैप्पी' व्यक्तिगत खुशी पर जोर देता है, जबकि 'मैरी' सामूहिक और सांस्कृतिक उत्सव की खुशियों को व्यक्त करता है। क्रिसमस विश करने के लिए 'मैरी' शब्द इसलिए उपयुक्त माना जाता है क्योंकि यह उत्सव और उल्लास के सामूहिक अभिव्यक्ति को बेहतर ढंग से प्रकट करता है। बहरहाल, मैरी या हैप्पी दोनों ही शब्दों का प्रयोग खुशी जाहिर करने के लिए ही किया जाता है। इसलिए आप इनमें से कुछ भी बोलकर विश कर सकते हैं। *

गणित को समृद्ध करने वाले भारत के महान गणितज्ञ

भारत में प्राचीन काल से ही एक से बढ़कर एक गणित के प्रकांड ज्ञानी हुए हैं। राष्ट्रीय गणित दिवस (22 दिसंबर) के अवसर पर हम आपको कुछ महान भारतीय गणितज्ञों के बारे में बता रहे हैं।

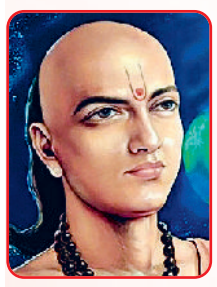

आर्यभट्ट

श्रीनिवास रामानुजन

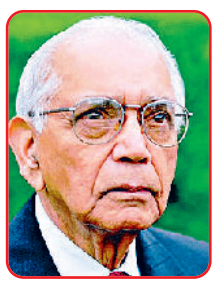

सी. आर. राव

विभूतियां / नेहा जैन

यह हम भारतीयों के लिए गर्व का विषय है कि भारत के विद्वानों ने दुनिया को गणित के महत्वपूर्ण, मूलभूत सिद्धांतों और नियमों की जानकारी दी। 400 ई. से 1500 ई. के बीच के काल को भारतीय गणित का स्वर्ण युग कहा जाता है। इस काल में भारतीय गणितज्ञों ने कई नए गणितीय सिद्धांत दिए। भारतीय गणितज्ञों को कालखंड के हिसाब से मुख्यतया दो भागों में बांटा जा सकता है-पूर्ववर्ती काल के गणितज्ञ और आधुनिक भारत के गणितज्ञ। पूर्ववर्ती काल के गणितज्ञों में शामिल कुछ प्रमुख हस्तियां हैं-

आर्यभट्ट (476-550 ईस्वी): इन्हें भारतीय गणित का पिता माना जाता है। आर्यभट्ट ने अपने ग्रंथ 'आर्यभटीय' के माध्यम से गणितीय सोच में क्रांति ला दी। उन्होंने ही स्थानीय मान प्रणाली, शून्य की अवधारणा और त्रिकोणमितीय कार्यों के प्रारंभिक रूपों को प्रस्तुत किया। आर्यभट्ट ने ही 'पाई' के मूल्य की सटीक गणना की, बीजीय समीकरणों के समाधान प्रस्तावित किए और पृथ्वी के अपने अक्ष पर घूमने की व्याख्या की। यह अवधारणा अपने समय से बहुत आगे थी।

ब्रह्मगुप्त (598-668 ईस्वी): शून्य को एक संख्या के रूप में मानने और उसके लिए नियम स्थापित करने वाले ब्रह्मगुप्त पहले व्यक्ति थे। इसके अलावा, उन्हें द्विघात समीकरण का पहला स्पष्ट विवरण देने और गुरुत्वाकर्षण को एक आकर्षक बल के रूप में वर्णित करने के लिए जाना जाता है। 'ब्रह्मस्फुट सिद्धांत' और 'खंडखाद्यक' उनकी दो सबसे प्रसिद्ध कृतियां हैं।

शकुंतला देवी

भास्कर प्रथम (600-680 ईस्वी): इन्होंने संख्याओं को लिखने के लिए हिंदू और अरबी दशमलव पद्धति का प्रयोग सबसे पहले किया था। 'आर्यभटीय' पर उनका विश्लेषणात्मक कार्य, 'आर्यभटीय भाष्य', खगोल विज्ञान और गणित पर सबसे प्राचीन संस्कृत ग्रंथ माना जाता है। उन्हें स्थानीय मान के अनुसार संख्याओं के निरूपण के लिए विशेष रूप से जाना जाता है।

भास्कर द्वितीय (1114-1185 ईस्वी): इन्होंने नक्षत्र वर्ष की लंबाई और चंद्रमा के समीकरण जैसी कई खगोलीय राशियों को परिभाषित किया था। अवकल कलन (डिफरेंशियल कैलकुलस) के सिद्धांतों की खोज, दशमलव प्रणाली का व्यवस्थित उपयोग भी इनकी देन है। इन्होंने ज्यामिति और बीजगणित से संबंधित महत्वपूर्ण ग्रंथों- 'लीलावती' और 'बीजगणिताध्याय' की रचना की।

संगमग्राम के माधव (1340-1425 ईस्वी): यूरोपीय 'कैलकुलस' से सदियों पहले इन्होंने त्रिकोणमितीय श्रंखला विस्तार और घात श्रंखला की खोज की और सूर्यकेंद्रित मॉडल (हीलियोसेंट्रिक मॉडल) जैसे महत्वपूर्ण ग्रहों की गति के मॉडल विकसित किए, जिससे खगोलीय गणनाओं में क्रांति आ गई। इस प्रतिभाशाली गणितज्ञ को साइन और कोसाइन जैसे त्रिकोणमितीय फलनों के लिए अनंत श्रेणी विस्तारों में उनके अग्रणी कार्य के लिए जाना जाता है।

आधुनिक भारत के प्रमुख गणितज्ञों में शामिल हैं-

श्रीनिवास रामानुजन (1887-1920): रामानुजन की स्मृति में ही गणित दिवस मनाया जाता है। इन्होंने संख्या सिद्धांत, गणितीय विश्लेषण आदि में उल्लेखनीय योगदान दिया। विभाजन फलन, सतत भिन्न और अनंत श्रेणी जैसे क्षेत्रों में उनकी उत्कृष्ट खोजों ने 20वीं सदी में गणित के विकास को बहुत प्रभावित किया। उन्हें अपने समय में आधुनिक विश्व का सर्वश्रेष्ठ गणितज्ञ माना जाता था।

पी.सी. महालनोबिस (1893-1972 ईस्वी): महालनोबिस दूरी और फ्रैक्टाइल ग्राफिकल विश्लेषण इनके कुछ प्रमुख योगदान हैं।

सी. आर. राव (1920-2023): भारतीय-अमेरिकी गणितज्ञ और सांख्यिकीविद् सी. आर. राव का सांख्यिकी, अर्थशास्त्र, आनुवंशिकी और चिकित्सा जैसे विविध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शकुंतला देवी (1929-2013): शकुंतला देवी को मानव-कंप्यूटर के नाम से जाना जाता था। वे कैलकुलेटर की सहायता के बिना अपनी त्वरित मानसिक गणनाओं के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध थीं। त्वरित मानसिक गणना के लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल है। *

फिल्मों में क्रिश्चियन कैरेक्टर्स क्रिसमस सेलिब्रेशन

सिने ट्रेंड / अशोक वाधवाणी

कई हिंदी फिल्मों में क्रिश्चियन परिवेश, पात्रों और गीतों को बड़ी ही खूबसूरती से पेश किया जाता रहा है। कुछ फिल्में क्रिसमस सेलिब्रेशन से भी जुड़ी रही हैं। ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

क्रिसमस, ईसाई धर्मावलंबियों का प्रमुख त्योहार है, जो भारत सहित विश्व भर में 25 दिसंबर को मनाया जाता है। इसे 'बड़ा दिन' भी कहते हैं। बीते दौर से लेकर हाल के वर्षों तक हिंदी में ऐसी कई सारी फिल्में बनती रही हैं, जिनमें क्रिसमस सेलिब्रेशन का जिक्र आया, उससे जुड़े गीत फिल्माए गए, मुख्य पात्र या फिर पूरी कहानी ईसाई समुदाय के इर्द-गिर्द घूमती रहती है। कई फिल्मों में तो ऐसे ईसाई पात्र दिखाए गए जो सिनेप्रेमियों के जेहन में आज भी दर्ज हैं।

ईसाई पात्र-परिवेश की कहानी: शोमैन राज कपूर ने ईसाई लड़की 'बॉबी' की कहानी पर फिल्म बनाई, जो हिट रही। 1973 में आई फिल्म 'बॉबी' में डिंपल कपाड़िया और ऋषि कपूर मुख्य भूमिकाओं में थे। हिंदू लड़के और क्रिश्चियन लड़की की इस जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। आगे चलकर, साल 1985 में इन्हीं डिंपल कपाड़िया और ऋषि कपूर को लेकर रमेश सिप्पी ने फिल्म 'सागर' बनाई। यह डिंपल कपाड़िया की कम-बैक फिल्म थी, जिसमें उन्होंने एक क्रिश्चियन लड़की मोना डी सिल्वा की भूमिका अदा की थी।

साल 1975 में आई फिल्म 'जूली' में एक्ट्रेस लक्ष्मी ने क्रिश्चयन लड़की जूली का लीड रोल प्ले किया था। साथ ही फिल्म के अन्य प्रमुख पात्र भी ईसाई धर्म से संबंध रखने वाले ही थे। इसी नाम से साल 2004 में एक बोल्ड फिल्म बनाई गई, जिसमें नेहा धूपिया ने गोवा में रहने वाली लड़की 'जूली' का रोल किया था। संजीव कुमार की फिल्म 'देवता' (1978) और 'चेहरे पे चेहरा' (1981) की कहानी ईसाई समाज और ईसाई पात्रों के ईर्द-गिर्द घूमती है।

नाना पाटेकर, मनीषा कोईराला और सलमान खान की फिल्म 'खामोशी : द म्यूजिकल' (1996) भी एक क्रिश्चियन परिवार के इर्द-गिर्द बुनी गई प्रेम कहानी है। इसके अलावा शबाना आजमी, मार्क रॉबिंसन, इरफान खान अभिनीत 'बड़ा दिन' (1998), और 'मैरी क्रिसमस' (2024) फिल्मों का नाम क्रिसमस फेस्टिवल पर रखा गया है। इन फिल्मों में इस धर्म-संस्कृति से जुड़े रीति-रिवाज, रहन-सहन, खान-पान, वेशभूषा आदि को भी बखूबी दर्शाया गया है।

यादगार पादरी के किरदार: ईसाई धर्मगुरु यानी पादरी को विशेष आदर, मान-सम्मान दिया जाता है। कई हिंदी फिल्मों में पादरी का कैरेक्टर निभाने वाले आर्टिस्ट्स को खूब सराहना मिली। 'दोस्त' (अभि भट्टाचार्य), 'अमर अकबर एंथोनी' (नाजिर हुसैन), 'तहलका' (जीतेंद्र), 'हत्या' (सत्येन कप्पू), 'खोज' (डैनी), 'देवता' (श्रीराम लागू) आदि कई फिल्में बनी हैं, जिनमें पादरियों के महत्वपूर्ण और यादगार रोल रहे।

कुछ पॉपुलर क्रिश्चियन कैरेक्टर: कई ऐसी फिल्में भी बनी हैं, जिनमें ईसाई कैरेक्टर या सहायक पात्र लोगों को खूब पसंद आए। 'अनाड़ी' में ललिता पवार का अपनी फिल्मी इमेज के विपरीत सहृदय ईसाई महिला मिसेज एल डीसा का अविस्मरणीय रोल था। ऐसे ही फिल्म 'गैंबलर' में जाहिरा, 'मेरा नाम जोकर' में सिमी ग्रेवाल, 'वो मैं नहीं' में आशा सचदेव, 'मजबूर' में प्राण, 'अल्बर्ट पिंटो को गुस्सा क्यों आता है' में नसीरुद्दीन शाह, 'जाने भी दो यारों' में सतीश शाह और 'अमर अकबर एंथोनी' में अमिताभ बच्चन द्वारा निभाया गया एंथोनी का कैरेक्टर लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं।

गोवा में फिल्माई गई फिल्में: जब भी भारत में ईसाई परिवेश की बात होती है, गोवा का नाम सबसे पहले याद आता है। बॉलीवुड में ऐसी कई फिल्में बनीं, जिनकी अधिकतर शूटिंग गोवा में हुई। 'जोहर महमूद इन गोवा' (1965) में आई एस. जोहर और महमूद मुख्य भूमिका में थे। अमिताभ बच्चन की 'सात हिंदुस्तानी' (1969) और 'पुकार' (1983) इन तीनों फिल्मों की कहानी गोवा मुक्ति संग्राम पर आधारित थी। शाहरुख खान, सुचित्रा कृष्णमूर्ती अभिनीत 'कभी हां कभी ना' (1994) और शाहरुख खान, चंद्रचूड़ सिंह, ऐश्वर्या राय की फिल्म 'जोश' (2000) के मुख्य पात्र ईसाई ही थे। दोनों फिल्में गोवा में शूट की गईं। ऐसे ही दीपिका पादुकोण की फिल्म 'फाइंडिंग फैनी' (2014) गोवा में शूट हुई थी। इस फिल्म के सभी मुख्य पात्र ईसाई हैं। 'गो-गोवा-गॉन' (2013) गोवा में शूट की गई अलग टाइप की कॉमेडी, थ्रिलर है, जिसमें सैफ अली खान, कुणाल खेमू, पूजा गुप्ता आदि मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म के मुख्य पात्र भी क्रिश्चियन ही हैं। गोवा में शूट की गई अधिकतर फिल्मों में वहां के चर्च, बीच, ईसाई समुदाय के लोगों की जीवनशैली और संस्कृति को खूबसूरती से फिल्माया जाता रहा है। *

'अमर अकबर एंथोनी' में एंथोनी गोंसाल्वेस के रोल में अमिताभ

कई गीत भी हुए पॉपुलर

बॉलीवुड फिल्मों में ऐसे कई गाने भी बने हैं, जो पूरी तरह क्रिसमस से जुड़े हैं। इनमें से कुछ पॉपुलर भी हुए हैं। 'बचपन' फिल्म का गीत 'मदर मैरी, मां हम तेरे दुलारे हैं' प्रेयर है। 'शानदार' में संजीव कुमार सांता क्लॉज की वेशभूषा में गाते हैं, 'आता है, आता है, सांता क्लॉज आता है', 'जख्मी' में 'जिंगल बेल, जिंगल बेल, जिंगल ऑल द वे।' कई गीत ऐसे भी रचे हैं, जिनको सुनते ही समझ आ जाता है कि ये गीत या इसके पात्र ईसाई धर्म से जुड़े हुए हैं। फिल्म 'जमीर' में शम्मी कपूर पर फिल्माया गया गीत 'बड़े दिनों में खुशी का दिल आया...'। 'जूली' में प्रीती सागर की आवाज में अंग्रेजी गाना है, 'माइ हार्ट इज बीटिंग', 'जीते हैं शान से' में 'जूली-जूली जॉनी का दिल तुम पर आया जूली।' गाने में मिथुन चक्रवर्ती अपना प्रेम प्रकट करते हैं। 'सागर' में 'ओ मारिया, ओ मारिया' गाने में कमल हासन, डिंपल कपाड़िया की मस्ती देखने लायक है। 'देवता' का हटकर लिखा गाना है, 'चल बैठें चर्च के पीछे'। ये सभी गाने आज भी लोकप्रिय हैं।